जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 300 प्रभात जालोर, बुधवार 5 फरवरी, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

आखिर राहुल गांधी, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के दबाव में क्यों नहीं आये?

इन नेताओं का दबाव था कि राहुल पूरा जोर न लगायें आप के खिलाफ दिल्ली में, क्योंकि इसका लाभ भाजपा को ही होगा

- पर, हरियाणा के विधानसभा चुनाव में आप ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए और इसका अंततोगत्वा नतीजा यह निकला था कि हर ''कॉन्स्टिटुएंसी'' पर आप ने कांग्रेस के वोट काटे तथा कांग्रेस सरकार नहीं बना सकी, जिसकी सबको ''उम्मीद सी'' थी।
- राहुल ने हरियाणा का बदला लेने का मन बनाया दिल्ली में, क्योंकि राहुल के समझ में आ गया कि आप कांग्रेस की कोई मित्र नहीं, बल्कि सदा कांग्रेस के वोट काट कर ही आगे बढ़ी है।
- कांग्रेस में गंभीरता से चुनाव जीतने के लिए लड़ने का उत्साह भरने में संदीप दीक्षित की भी भूमिका रही। संदीप पहले ही दिन से ''डोर-टु-डोर'' जनसंपर्क कर चुनाव प्रचार में लगे तथा हाईकमान को ''कन्विन्स'' करने में सफल हुए कि कांग्रेस चुनाव में निरीह पार्टी नहीं बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। दिल्ली में वोट कल डाले जायेंगे। यूँ तो दिल्ली विधानसभा में मात्र 70 सीटें हैं, लेकिन दिल्ली के चुनाव राजनैतिक हल्कों में चर्चा का सबसे बड़ा मुद्दा बने हुये हैं।

चुनाव प्रचार के पिछले एक महीने में परिदृश्य काफी बदला है। जो चुनावी लड़ाई आम आदमी पार्टी तथा भाजपा के बीच मानी जा रही थी, वह कांग्रेस के चुनाव में सक्रिय होने के कारण त्रिकोणीय हो गई है। गांधी भाई-बहिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी को ललकार रहे हैं तथा उस पर भ्रष्टाचार का मूल स्रोत होने का आरोप लगा रहे हैं और इस बदलाव का श्रेय केवल एक ही कांग्रेस नेता को जाता है, वो हैं संदीप दीक्षित।

संदीप दीक्षित ने अपनी सक्रियता नई दिल्ली से शुरू की। अरविन्द केजरीवाल को टक्कर देने के लिये, उन्होंने घर-घर जाकर प्रचार किया, लोगों के साथ बैठकें की तथा आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के खिलाफ ''एकला चालो'' की नीति पर चलते रहे।

उन्होंने कांग्रस को यह महसूस करा दिया कि आम आदमी पार्टी से टक्कर लेना सम्भव है और यह चुनाव एक हारी हुई लड़ाई हरगिज नहीं है।

वरिष्ठ नेतागण भी प्रचार के लिये भेजे गये, लेकिन उनमें से अधिकांश इस चुनाव को एक हारी हुई लड़ाई माने हुये थे, लेकिन नेतृत्व इस बात को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ था कि कांग्रेस, भाजपा और आप के खिलाफ अपना सब कुछ दाँव पर लगा देगी।

पिछले दो चुनावों में कांग्रेस का पूरी तरह सफाया हो गया था, उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। तथा कांग्रेस सिर्फ इसलिये आप का सामना करना नहीं चाहती थी कि वह भाजपा को दिल्ली की सत्ता से दूर रखना चाहती थी।

लेकिन जब आप ने हरियाणा के चुनावों में हर सीट पर अपने प्रत्याशी खड़े किये, जिससे भाजपा को मदद मिली तथा कांग्रेस को हार का मुँह देखना पड़ा, उस समय यह स्पष्ट हो गया कि केजरीवाल कांग्रेस के मित्र नहीं हैं, वे भाजपा की मदद करते हैं।

आम आदमी पार्टी ने अस्तित्व में आने के बाद कांग्रेस के वोट बैंक पर कब्जा कर लिया, और 15 साल दिल्ली की सत्ता में रहने के बाद, ऐसा लगा कि कांग्रेस सब कुछ खो चुकी है।

इस बार कम से कम 15 सीटों पर कांग्रेस की स्थिति ठीक-ठाक दिखाई दे रही है, लेकिन इसका प्रदर्शन कैसा रहेगा, इसे कितने वोट मिलेंगे, यह तो चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

भाजपा, जो 26 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है, ने राजधानी की सत्ता में आने के लिये अपना सब कुछ चुनाव में झौंक दिया है, मध्यम वर्ग को इन्कम टैक्स में राहत का तोहफा देकर अपनी ओर खींचने की कोशिश की है। उसने आशा सँजो रखी है कि कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन से आप नुकसान होगा तथा भाजपा को अप्रत्यक्ष मदद मिलेगी।

चुनाव की उत्तेजना अपने चरम पर रही है, राहुल और प्रियंका गांधी की सभाओं में जबरदस्त भीड़ एकत्रित हुई है, जबकि आप के वरिष्ठ मंत्रियों तक को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल जीवन मिशन में महेश मित्तल को भी जमानत मिली

जयपुर, 4 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन में फर्जी दस्तावेजों के जरिए टेंडर लेने से जुड़े ईडी के मामले में आरोपी महेश मित्तल को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने गत 31 जनवरी को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जमानत याचिका में अधिवक्ता विवेक राज बाजवा ने अदालत को बताया कि मामले में सुप्रीम कोर्ट से पदम चंद जैन, पीयूष जैन और संजय बड़ाया को जमानत मिल चुकी है। इसके

- सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में पदम चंद जैन, पीयूष जैन व संजय बडाया को पहले जमानत मिल चुकी है।

अलावा, यदि संजय बडाया के जरिए तत्कालीन मंत्री महेश जोशी को रुपए देना बताया जा रहा है तो फिर महेश जोशी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी पदम चंद जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए इस बिंदु पर सवाल खड़ा किया था। याचिका में यह भी कहा गया कि महेश मित्तल को जेल में रखने से उसके संविधान प्रदत्त अनुच्छेद 21 के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

याचिका का विरोध करते हुए, ईडी की ओर से एएसजी राज दीपक रस्तोगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की लार्जर बेंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प केवल बड़बोले नेता नहीं, बल्कि एक चतुर राजनीतिज्ञ भी हैं?

ट्रम्प ने कैनडा व मैक्सिको पर टैरिफ लगाने के निर्णय का क्रियान्वयन एक महीना सशर्त आगे खिसकाया

- शर्त यह है कि दोनों देश, अमेरिका को विश्वास दिलायेंगे कि अमेरिका के हितों के साथ सामंजस्य बिठाकर ही अपने व्यापार व उद्योग की नीति बनायेंगे और उन नीतियों पर पूर्ण ईमानदारी से काम करेंगे।
- चीन भी अमेरिका के बढ़ाये गये टैरिफ को मन ही मन स्वीकार तो कर रहा है, पर, यह छवि नहीं बनने देना चाहता है कि उसने अमेरिका के दबाव के आगे घुटने टेक दिये। अतः चीन कुछ विरोध जताने को सार्वजनिक मुद्दा बनाये हुए है। उदाहरण के लिये, चीन ने अमेरिका से आयात पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की, पर, निर्णय बेमाने हैं, यह टैरिफ केवल 10 अरब डॉलर अमेरिकी गुड्स पर ही लगेगा, क्योंकि इतना ही आयात है चीन में अमेरिका से। पर, अमेरिका को चीन 450 अरब डॉलर का माल निर्यात करता है। अतः, अमेरिका के 10 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने से चीन से निर्यात माल बहुत महंगा हो जायेगा।
- यह टैरिफ वृद्धि, जो अमेरिका ने लगाई थी, वह एक महीने बाद लागू होगी और ट्रम्प ने कहा है, वह एक महीने में इन देशों का आचरण देखकर आगे क्या करना है, इसका निर्णय लेंगे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। पुनः निर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, जितना समझा जाता है उससे कहीं अधिक चतुर राजनेता हैं।

डॉनल्ड ट्रंप ने अब मैक्सिको और कैनडा से आयातों पर तत्काल टैरिफ वृद्धि के अपने प्रस्तावों को रोक दिया है, इस शर्त पर कि दोनों देश अमेरिका की आपत्तियों को हल करने की दिशा में और कदम उठाएंगे।

चीन के मामले में स्थिति अलग है। ट्रंप अभी भी चीन पर टैरिफ लागू करने पर जोर दे रहे हैं और चीन ने इसके जवाब में संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातों पर 10 प्रतिशत का नया टैरिफ लागू कर दिया दिया है। हालांकि, चीन ने 20 बिलियन डॉलर मूल्य के आयातों पर टैरिफ लगाए हैं, जबकि अमेरिकी टैरिफ चीन से आयात होने वाले 450 बिलियन डॉलर मूल्य के सामान पर होंगे।

चीन ने अमेरिका के खिलाफ अपने विरोध और चुनौती को दिखाने के लिए टैरिफ बढ़ाए हैं। इससे अमेरिकी अधिकारियों के साथ वार्ता के लिए अवसर बचा हुआ है, ताकि मुद्दों को हल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एल एण्ड टी, बी.ई.एल. व सीमैंस के शेयर के दाम बढ़ेंगे, केन्द्रीय बजट 2025 के बाद?

वित्त मंत्री द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क, रेलवे व शहरी यातायात) पर भारी बजट एलोकेशन करने से, कैपिटल गुड्स, डिफैन्स व इलैक्ट्रोनिक्स के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को अपना भविष्य उज्ज्वल नज़र आ रहा है

- सीमेंट, स्टील में कारोबार करने वाली कम्पनियां, जैसे अल्ट्राटेक सीमेंट व टाटा स्टील के शेयर्स के लिये भी शुभ दिनों का आगमन संभव है।
- एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सुखद स्थिति में रहेंगे, क्योंकि वे डिजिटल फाइनैंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर में डील करने वाली कम्पनियों को व्यापार के लिये और अधिक व आसानी से वित्तीय पूँजी उपलब्ध कराने का इरादा जता रहे हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। हाल ही में प्रस्तुत 2025 के केन्द्रीय बजट ने भारत के सतत आर्थिक विकास का रोड मैप प्रस्तुत किया है जिसमें कुछ प्रमुख क्षेत्रों के फलने -फूलने के लिए अनुकूल माहौल दिया गया है। उम्मीद है कि विभिन्न उद्योगों के प्रमुख स्टॉक्स सरकार के सुधारो, प्रोत्साहनों और इन्फ्रास्ट्रक्चर, हरित ऊर्जा व डिजीटल बदलाव सार्वजनिक खर्च में वृद्धि से उत्पन्न रणनीतिक परिवर्तनों के साथ बजट के बाद के आर्थिक परिदृश्यों में आगे बढ़ेंगे।

बजट का इन्फ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचे) के विकास पर जोर, जिसमें सड़कें, रेलमार्ग और शहरी परिवहन शामिल हैं, निर्माण और इंजीनियरिंग क्षेत्रों की कंपनियों के लिए एक प्रमुख लाभ है। प्रमुख स्टॉक्स जैसे लार्सन एंड टुब्रो (एल एण्ड टी) को अवसरों का फायदा मिल सकता है।

एल एण्ड टी के सीईओ एस.एन. सुब्रमण्यन ने कहा, ''इन्फ्रास्ट्रक्चर को जो प्रोत्साहन दिया गया है वह हमें विकास के अवसर प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि इससे हमारे मुख्य इंजीनियरिंग और निर्माण सेवाओं की मांग में वृद्धि होगी।''

बजट का ''मेक इन इंडिया'' पर जोर और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन, कैपिटल गुड्स, रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों की कंपनियों के लिए शुभ संकेत हैं। भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोगामेडी हत्याकांड की महिला आरोपी को जमानत नहीं

जयपुर, 4 फरवरी। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड में शामिल शूटर को शरण देने और उसकी देखरेख के आरोप में जेल में बंद महिला आरोपी पूजा सैनी की द्वितीय जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी रेखा भार्गव ने कहा कि केस की परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं

- गत 10 अक्टूबर को आरोपी पूजा सैनी की पहली जमानत अर्जी खारिज हुई थी।

हुआ है। ऐसे में घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। आरोपी पूजा की गत 10 अक्टूबर को पहली जमानत अर्जी खारिज हुई थी।

गौरतलब है कि पांच दिसंबर, 2023 को रोहित और नितिन ने श्याम नगर थाना इलाके में घर में घुसकर सुखदेव सिंह गोगामेडी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस दौरान वहां मौजूद नवीन शेखावत की भी गोली लगने से मौत हो गई थी। घटना को लेकर पुलिस ने दोनों शूटरों सहित पांच अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वातावरण में बढ़ता प्रदूषण व यमुना का ''दूषित'' पानी अंत में कोई मुद्दा नहीं बना दिल्ली के चुनाव में

जैसे-जैसे मतदान का दिन नज़दीक आने लगा, ये मुद्दे राजनीतिज्ञों के भाषणों से नदारद से हो गए

- मुख्य मुद्दा रह गया कौन कितनी ''रेवड़ी'' बांटने का वादा कर रहा है।
- दिल्ली की आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण करके बनाई गई बस्तियों में रहता है, जिसके लिये पानी, बिजली, राशन ही मुख्य मुद्दा है और आप द्वारा इन क्षेत्रों में दी गई ''सुविधाओं'' के कारण यह आप का परमानैंट वोट बैंक है। शीला दीक्षित के समय यह कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करता था, पर, गत 15 साल से ये आप के वफादार वोटर हैं। पर, क्या वर्तमान चुनाव में भी वे आप के साथ ही रहेंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। दिल्ली विधानसभा चुनावों के प्रचार की समाप्ति से कुछ दिन पहले, दो मुद्दे चर्चा में थे- हरियाणा की फैक्ट्रियों का विषैला औद्योगिक कचरा जो यमुना नदी में डाला जा रहा है, जबकि यमुना पहले ही प्रदूषित है तथा दूसरा ज्वलंत मुद्दा था कि दिल्ली की हवा की गुणवत्ता दिन पर दिन खराब होती जा रही है। तीन दिन तक ये दोनों मुद्दे तीखी बहस के केन्द्र में बने रहे और उसके बाद ये दोनों मुद्दे चर्चा से गायब हो गये, मानो ये मुद्दे इतने गंभीर नहीं थे कि दिल्ली के मतदाता इनके आधार पर वोट डालने का निर्णय लें।

सात जनवरी, जिस दिन चुनाव आयोग ने दिल्ली के चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था, उसी दिन ही सैन्टर फॉर साइंस एंड एनवायरनमैंट (सीएसई) ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें दिल्ली में खराब होती जा रही हवा की गुणवत्ता के कारण जनता के स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिन्ता व्यक्त की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि पीएम 2.5 या इससे अधिक कन्सनट्रेशन वाला एयर क्वालिटी लेवल खतरनाक माना जाता है। रिपोर्ट में आगे यह भी बताया गया था कि गत वर्ष अक्टूबर से दिसम्बर के बीच, मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पॉल्यूशन लेवल में 26 प्रतिशत की खतरनाक वृद्धि रिकॉर्ड की गई थी। लेकिन पिछले सप्ताह संसद में पेश किये गये केन्द्रीय बजट में दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिये न तो कोई विशेष बजट प्रावधान किये गये और न इस मुद्दे से निबटने के लिये वचनबद्धता जैसी कोई चीज ही नज़र आई।

दिल्ली में चुनाव प्रचार सोमवार को समाप्त हो गया और 5 फरवरी को मतदान हो जायेगा, लेकिन दिल्ली का एयर क्वालिटी इनडैक्स (एक्यूआई) 355 के खतरनाक स्तर पर पहुँच गया। स्मॉग और प्रदूषण से आसमान ढ़क गया है तथा भविष्यवाणियाँ और भी ज्यादा खराब हालत की ओर संकेत कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों में, अस्पतालों में आँखों में जलन और श्वास लेने में दिक्कत की शिकायत करने वाले मरीज बढ़े हैं।

आम आदमी पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच चन्द रोज इस विषय को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी अंतिम चुनावी रैलियों में इस बिन्दु को लेकर केजरीवाल सरकार पर निरन्तर प्रहार किये तथा शहर के धूल-धक्कड़ तथा प्रदूषित हवा में साँस लेने में कठिनाई पर फोकस किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी जनता की सहानुभूति प्राप्त करने के इस अवसर पर चूके नहीं, उन्होंने केजरीवाल से सार्वजनिक रूप से पूछ ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

205 अवैध प्रवासी भारतीयों को अमेरिका ने डिपोर्ट किया

वाशिंगटन, 04 फरवरी। अमेरिका के नये राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त सामूहिक निर्वासन अभियान के तहत एक अमेरिकी सैन्य सी-17 विमान 205 अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर भारत

- अमेरिका का सैन्य विमान सी-17 इन भारतीयों को लेकर भारत आ रहा है और सूत्रों के अनुसार विमान अमृतसर में उतर सकता है।

के लिए रवाना हो गया है।

इन सभी की पहचान के बाद डिपोर्ट किया गया है। सूत्रों के अनुसार विमान अमृतसर में लैंड करेगा। पश्चिमी मीडिया की ओर से जारी एक रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी गयी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शारीरिक शिक्षक भर्ती-2022 धांधली को लेकर 40 अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की

इन अभ्यर्थियों ने फर्जीवाड़े से नौकरी पाने वाले शिक्षकों को बर्खास्त करने और उनकी जगह नियुक्ति देने की गुहार लगाई

- अदालत में पेश हुई इन 40 रिट याचिकाओं के अलावा करीब 15-20 याचिकाएं, ऐसी भी हैं, जिनमें जांच कमेटी द्वारा नियुक्त किए जा चुके पी.टी.आई. शिक्षकों को बर्खास्त करने के लिए ''कारण बताओ नोटिस'' दिए गए थे।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एस.ओ.जी. ने 10 जून 2024 को एक जांच रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें स्पष्ट लिखा था कि 1259 अयोग्य अभ्यर्थियों को शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति दी गई है, इनमें से 1230 लोग ऐसे हैं, जिनके आवेदन और डिग्रियों में अंक प्रतिशत व रोल नंबर की गड़बड़ियां हैं। याचिका में कहा गया कि, एस.ओ.जी. की इस जांच रिपोर्ट को भी लागू किया जाए।
- उल्लेखनीय है कि, न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने इस प्रकरण में अलग-अलग तारीखों पर 134 पी.टी.आई. शिक्षकों को जांच के बाद पद से हटाने के आदेश दिए थे। हालांकि, करीब 33 ऐसे शारीरिक शिक्षक हैं, जिन्होंने अदालत से स्टे ले रखा है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 4 फरवरी। शारीरिक शिक्षक (पी.टी.आई.) भर्ती-2022 में धांधली और फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाने वाले लोगों के खिलाफ 40 अभ्यर्थियों ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं ने पिछली गहलोत सरकार द्वारा इस भर्ती को रद्द नहीं किये जाने के फैसले को चुनौती दी है, साथ ही फर्जी दस्तावेजों और धांधली से नौकरी पाने वाले करीब 2000 लोगों को बर्खास्त करने की गुहार लगायी है। याचिकाओं में कहा गया है, इस भर्ती परीक्षा की पूरी जांच एस.ओ.जी. राजस्थान हाईकोर्ट की निगरानी में करे। अदालत एस.ओ.जी. द्वारा की गई अब तक की जांच का रिकॉर्ड भी मंगवाएं। इन 40 याचिकाकर्ताओं ने गुहार लगायी है कि धांधली से नौकरी करने वालों को बर्खास्त करने के बाद, उनकी जगह पर हमें नियुक्ति दी जाये। यह रिट याचिका अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने दायर की थी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से बताया गया है कि इस भर्ती में फर्जीवाड़े से करीब 2000 लोगों ने नौकरी प्राप्त की है। एस.ओ.जी. ने 10 जून 2024 को इस मामले की जांच करते हुए एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें साफ लिखा था कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ से फर्जी डिग्रियां लेकर नौकरी हासिल की गई हैं। इनमें से 145 अयोग्य अभ्यर्थियों के पास ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी की डिग्री थी, जबकि अंतिम सूची में मात्र 6 ऐसे योग्य अभ्यर्थी थे, जिनके पास इस यूनिवर्सिटी की डिग्री थी। करीब 173 ऐसे अयोग्य अभ्यर्थी थे, जिन्होंने परीक्षा के बाद डिग्रियां ली थीं। कुछ लोग ऐसे थे, जिनके पास ऐसी यूनवर्सिटी की डिग्रियां थी, जो कि एन.सी.टी.ई. (नैशनल काउन्सिल फॉर टीचर एजुकेशन) द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं थीं। इसी प्रकार, 183 अयोग्य अभ्यर्थी ऐसे थे, जिनके पास बी.पी.एड. डिग्री में 45 प्रतिशत से भी कम अंक आए थे। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 1259 अयोग्य अभ्यर्थियों को शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति दी गई है, इनमें से 1230 लोग ऐसे हैं, जिनके आवेदन और डिग्रियों में अंक प्रतिशत व रोल नंबर की गड़बड़ियां हैं। याचिका में कहा गया कि एस.ओ.जी. की इस जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों को भी लागू किया जाए। इससे स्पष्ट दिख रहा है कि 2000 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने फर्जीवाड़े से नौकरी पायी है। गौरतलब है कि याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने अभी तक मात्र 58 अयोग्य शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

अदालत में पेश हुई इन 40 रिट याचिकाओं के अलावा करीब 15-20 याचिकाएं, ऐसी भी हैं, जिनमें जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास की सजा

जयपुर, 4 फरवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम-2 महानगर प्रथम, ने 11 साल की नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रूप सिंह बैरवा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 51 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने, जानकारी

- चार दिन बाद रिपोर्ट दर्ज करने पर शिप्रा पथ के तत्कालीन थानाधिकारी को नोटिस जारी।

मिलने के बाद चार दिन तक रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर शिप्रापथ थाने के तत्कालीन थानाधिकारी को नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न इस मामले में उनके खिलाफ अलग से मुकदमा शुरू किया जाए। पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त की आपराधिक मानसिकता इस बात से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

तर्क से किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। मूर्ख लोग तर्क करते हैं, जबकि बुद्धिमान विचार करते हैं। –श्री परमहंस योगानंद

सांसदों व विधायकों पर खर्च की समीक्षा का समय

जिस देश के प्रधानमंत्री खुद मानते हों कि इस देश के 80 प्रतिशत लोग गरीब हैं, वहां के निर्वाचित सांसदों और विधायकों पर सरकार राजकोष से कितना खर्च करती है यह जानकर किसी को भी हैरानी हो सकती है। जहां गरीबों को सरकार की तरफ से राशन और वित्तीय सहायता देनी पड रही हों, वहां संसद और विधानसभाओं के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों पर होने वाला विराट खर्च आंखें फटी रख देने वाला है। देश में प्रति व्यक्ति आय और संसद तथा विधानसभाओं के सदस्यों की प्रतिव्यक्ति आय के बीच जो अंतर है वह संविधान में निहित समानता की बात की खिल्ली उडाता है। एक समाचार एजेंसी ने अपनी खबर में बताया है कि नये केन्द्रीय बजट में कुल 788 सदस्यों वाली संसद (543 लोकसभा सदस्य और 245 राज्य सभा सदस्य) पर खर्च करने के लिए 11 हजार 316 करोड रुपये रखे गये हैं। बजट में लोकसभा को 903 करोड रुपए और राज्यसभा को 413 करोड रुपए आवंटित किए गए हैं। इससे पहले यह खबर भी आई थी कि देश की संसद पर ढाई लाख रुपये प्रति मिनट खर्च होते हैं। सांसदों पर होने वाले खर्च में राज्य की विधानसभाओं तथा उनके निर्वाचित सदस्यों पर होने वाला खर्च जोड दें तो वह अरबों रुपयों का बैठेगा। जिस देश की बडी आबादी दो जून रोटी की व्यवस्था करने में मुश्किलों का सामना करती हो, वहां उस आबादी के प्रतिनिधियों पर इतना खर्च किया जाना किसी को परेशान नहीं करता। जन प्रतिनिधि, जो कभी गरीब की सेवा के लिए राजनीति में सक्रिय होते थे, अब पेशेवर हो चले हैं और कॉर्पोरेट जगत के प्रमुखों जैसी सुविधाएं भोगने लगे हैं। उनको क्या मिलेगा इसका निर्धारण हम भारत के लोग नहीं करते। निर्वाचित प्रतिनिधि खुद ही अपने वेतन, भत्तों तथा अन्य सुविधाओं को बढाने का समय-समय पर निर्धारण करते हैं। भारत के नागरिकों के लिए कानून बनाने वाले खुद अपने वेतन-भत्ते की राशि निर्धारित करते हैं और ऐसे विधेयकआनन-फानन में पास हो जाते हैं। सरकारी कर्मचारियों के मामले में, सरकार समय-समय पर स्वतंत्र वेतन आयोगों का गठन करती है ताकि उनके वेतन ढांचे की समीक्षा की जा सके और उसमें बदलाव की सिफारिश की जा सके। मगर सांसदों और विधायकों को मिलने वाले वेतन भत्तों और अन्य सुविधाओं की कभी समीक्षा नहीं होती। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन सहित कुछ देशों को सांसदों के भुगतान को तय करने के लिए स्वतंत्र प्राधिकरण की व्यवस्था है ताकि हितों का टकराव पैदा न हो।

अधिकतर मतदाताओं को तो यह भी पता नहीं होगा कि वर्तमान में एक सांसद को एक लाख रुपया प्रति माह मूल वेतन मिलता है। जब संसद चल रही होती है या उसकी समितियों की बैठकें होती हैं तब भोजन और आश्रय के लिए उसे दो हजार रुपये प्रति दिन अलग से मिलता है। उसे अपने कर्मचारी रखने के लिए 60 हजार रुपये प्रति माह तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र में कार्यालय में चाय, पानी, बिजली के खर्चे के लिए 70 हजार रुपये मासिक मिलते हैं। सांसद को दिल्ली में किराया मुक्त घर मिलता है, यदि नहीं तो रहने के लिए 2 लाख रुपये मासिक मिलते हैं। उनके स्वयं के लिए और उनके परिवार के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा के अलावा स्वयं और परिवार के लिए प्रति वर्ष देश के अंदर की 34 वायुयान व रेल यात्रा की सुविधा भी नि:शुल्क मिलती है। यदि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में जाते हैं तो उन्हें उसके लिए भी प्रथम श्रेणी का किराया मिलता है और यदि वाहन का प्रयोग करते हैं तो ईंधन भत्ता मिलता है। प्रत्येक सांसद को प्रति वर्ष 1.5 लाख कॉल, तथा तेज़ इंटरनेट की सेवा का खर्च सरकार उठाती है। प्रति वर्ष 50,000 यूनिट नि:शुल्क बिजली तथा 4,000 लीटर पानी भी नि:शुल्क मिलता है। यदि सांसद पांच वर्ष तक सेवा करते हैं, तो उन्हें आजीवन 25,000 मासिक पेंशन तथा सांसद बनने के प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए, आजीवन 2,000 अतिरिक्त पेंशन मिलते है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत के सांसदों और विधायकों पर प्रति वर्ष 15 अरब 65 करोड 60 लाख रूपये खर्च होते हैं। ये तो सिर्फ इनके मूल वेतन और भत्तों की बात हुई। इनके आवास, रहने, खाने, यात्रा भत्ता, इलाज, विदेशी सैर सपाटा आदि का का खर्च भी लगभग इतना ही बन जाता है। बताते हैं कि इस तरह विधायकों और सांसदों पर राजकोष से लगभग 30 अरब रूपये खर्च होते हैं। इनकी सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मियों के वेतन को भी जोड़ लें तो एक अन्य अनुमान के अनुसार कुल मिला कर हर वर्ष निर्वाचित नेताओं पर कम से कम 100 अरब रुपया खर्च होता होगा। यदि यह अनुमान गलत हैं तो इस पर कोई अकादमिक आर्थिक अध्ययन करा लिया जाए। यह तब हो सकता है जब यहां के नागरिक जागरूक हो जाएं। मगर उसके लिए शिक्षण कहां है? वर्तमान में अलग-अलग विचारधाराओं की जितनी भी राजनैतिक पार्टियां हैं उनके एजेंडे में जन शिक्षण का काम हाशिये पर भी नहीं है। नेताओं की डिजिटल मीडिया पर टिप्पणियों को ही सभी ने जन शिक्षण मान लिया है। ऐसे खर्चों के खिलाफ आम जन में उद्वेलन है मगर समाचार माध्यमों में उसकी अभिव्यक्ति नज़र नहीं आती। जन भावनाओं को कोई नोटिस ही नहीं करता।

एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत के सांसदों और विधायकों पर प्रति वर्ष 15 अरब 65 करोड़ 60 लाख रूपये खर्च होते हैं। ये तो सिर्फ इनके मूल वेतन और भत्तों की बात हुई। इनके आवास, रहने, खाने, यात्रा भत्ता, इलाज, विदेशी सैर सपाटा आदि का का खर्च भी लगभग इतना ही बन जाता है। बताते हैं कि इस तरह विधायकों और सांसदों पर राजकोष से लगभग 30 अरब रूपये खर्च होते हैं। इनकी सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मियों के वेतन को भी जोड़ लें तो एक अन्य अनुमान के अनुसार कुल मिला कर हर वर्ष निर्वाचित नेताओं पर कम से कम 100 अरब रुपया खर्च होता होगा।

देश के गणतांत्रिक संविधान में बहुमत से निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा सरकार चलाने की व्यवस्था है। निर्वाचित प्रतिनिधि सदनों में बैठ कर कानून बनाते हैं और शासन पर निगाह रखते हैं ताकि शासन संविधान सम्मत काम करे तथा जन आकांक्षाओं के अनुरूप चले। उच्च संवैधानिक सदनों पर जब राजकोष का इतना अधिक पैसा खर्च किया जाता हो तब इन सदनों के सदस्यों के काम का ऑडिट कौन करे? कहा जा सकता है कि लोकतंत्र में यह ऑडिट या परीक्षा मतदाता प्रत्येक पांच साल में एक बार करता है जब वह वोट देने मतदान केंद्र पर जाता है। क्या सच में मतदाता अपने प्रतिनिधि के काम का ऑडिट करता है या वह प्रचार की राजनीति की आंधी में बह कर वोटिंग मशीन का बटन दबा कर फिर से जीवन की तकलीफें झेलने को लौट आता है? इस सवाल का जवाब सभी को पता है। यह भी सभी जानते हैं कि चुनावों में यह मुद्दा कभी नहीं बनता कि निर्वाचित प्रतिनिधि ने अपना दायित्व सदन में या बाहर ठीक से निबाहा या नहीं। मतदाता अपने प्रतिनिधि से यह भी नहीं पूछते कि हमने आपको सदन में हमारी बात रखने के लिए भेजा था, वहां आपने शांतिपूर्वक गंभीरता से चर्चा में भाग लेने के बजाय हुडदंग क्यों किया? क्यों सदन में अपनी बात तर्कपूर्ण तरीके से रखने की बजाय आप सदन से उठ कर बार-बार बाहर चले गये। उच्च अध्ययन के हमारे संस्थान जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता का हिसाब लगाने के लिए अध्ययन करवाते हैं, वे कभी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों की उत्पादकता का अध्ययन नहीं कराते। कोई पूछ सकता है कि सांसदों और विधायकों की उत्पादकता कैसे मापें? उसका पैमाना क्या हो? खेत की उत्पादकता, मजदूर की उत्पादकता, बिजली उत्पादन संयंत्र की उत्पादकता मापने के पैमाने तो हैं लेकिन निर्वाचित प्रतिनिधियों की उत्पादकता के पैमाने क्या हों उसके लिए अर्थशास्त्रियों या समाजशास्त्रियों ने कभी नहीं सोचा और न ही इस तरह का कोई अध्यायन हाथ में लिया। इन संवैधानिक संस्थानों पर जितना खर्च किया जा रहा है वह कितना अनुकूल है। सांसद या विधायक जितना पैसा और सुविधाएं पाते हैं उसके अनुरूप क्या वे काम करते हैं, या अपने या अपनों के हितों में व्यस्त रहते हैं? सांसदों और विधायकों की प्रति व्यक्ति सकल आय और देश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय के बीच कितना बड़ा अंतर है इस पर कोई अर्थशास्त्रियों ने पेपर नहीं लिख कर यह नहीं बताता कि जितना पैसा उन पर खर्च किया जाता है उन पैसों की एवज में निर्वाचित प्रतिनिधियों की संवैधानिक संस्थाएं वापस क्या देती है? सदनों में बड़ी-बड़ी डींगों, पूरे न होने वाले आश्वासनों, एक-दूसरे को नीचा दिखाने के प्रयास, बहस के नाम पर झगड़ों के अलावा वहां क्या होता है? संविधान सभा में जब सदस्यों के लिए वेतन भत्ते तय करने का मुद्दा आया था और उसके लिए संविधान में यह प्रावधान करने का प्रस्ताव आया कि सांसदों के वेतन का समय-समय पर निर्धारण करने का काम संसद में कानून के जरिए होगा। इसका अर्थ था अपने वेतन का निर्धारण खुद सांसद ही करेंगे। तब इसे वांछनीय नहीं बताने वाले सदस्य भी संविधान सभा में थे। हालांकि अंतत: सभी इस प्रारूप से सहमत हो गये। लेकिन संविधान निर्माताओं ने यह कल्पना नहीं की थी कि अपने को लोकसेवक कहने वाले किसी दिन सीमाहीन सुविधाएं पाने के लिए इतने लालायित रहेंगे। इसलिए यह समय आ गया है कि इन प्रतिनिधियों पर किये जाने वाले खर्च की समीक्षा की जाए। यह भी कि निर्वाचित प्रतिनिधि इन सदनों में बैठ कर अपना संवैधानिक तथा मतदाता के भरोसे को निभाने का दायित्व कितना निभाते हैं उसका ब्यौरा मतदाताओं को सार्वजनिक रूप से दिया जाए लिया जाए। उनके वेतन भत्ते बढ़ाने का फैसला खुद उनसे लेकर जनमत-संग्रह से लिया जाए। ऐसे तर्क देने वाले भी हैं कि ऐसे सवाल उठाना संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करना होगा। संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाना उन्हें कमजोर करना नहीं है, बल्कि उन परिस्थितियों को ठीक करना होता है जो इतने बरसों बाद भी राज्य व्यवस्था को सामंती व्यवहार से बाहर नहीं होने दे रही है जिसमें सांसद व विधायक खुद को सामंत और नागरिकों को अपनी प्रजा मानने लगे हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

अंतर की ऊर्जा के संधान से जुड़ा है ''सूर्य नमस्कार''

डॉ. अरुणा व्यास

सूर्य सप्तमी पर इस बार देशभर में सूर्य नमस्कार से जुड़े आयोजन हुए। यह कोई नई बात नहीं है, सूर्य सप्तमी सूर्य के अवतरण का, अभिनंदन का ही पर्व है। इस दिन ही क्यों, सूर्य को तो हम प्रतिदिन ही नमस्कार करते हैं। पर इसके बहाने भारतीय योग की महान परम्परा के अंतर्गत इससे जुड़े सामुहिक आयोजन महत्वपूर्ण हैं। नई पीढ़ी को स्वस्थ तन के साथ स्वस्थ मन के लिए प्रेरित करने से जुड़ा सूर्य नमस्कार योग का महत्वपूर्ण आसन है।

सूर्य सप्तमी को रथ सप्तमी भी कहा गया है। पौराणिक कथाओं में आता है कि ऋषि कश्यप और उनकी पत्नी अदिति के गर्भ से माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी पर ही सूर्य का जन्म हुआ। इसी आलोक में हमारे यहां सूर्य नमस्कार को योग की महान परम्परा से जोड़ा गया। योग की इस परम्परा में भगवान सूर्य का अभिनंदन करते हुए इसके तहत मनुष्य द्वारा अपने भीतर की ऊर्जा का संधान करने पर जोर दिया गया है। इसमें बारह योग मुद्राएँ या आसन शामिल हैं जो सूर्य के चक्रों को दर्शाते हैं। सूर्य नमस्कार के साथ सूर्य नमस्कार मंत्रों का जाप भी होता है। प्रमुख मंत्र है–ओम सूर्याय नमः। अर्थात् हे सूर्य, हम आपको नमस्कार करते हैं।

धरती पर जीवन के संरक्षण के प्रति आपके प्रति कृतज्ञता है। यह जो भाव है, इसी से आनंद, सकारात्मकता और खुशी की अनुभूति होती है। कृतज्ञता जीवन का आंनद पर्व है। जो व्यक्ति जितना कृतज्ञ होगा, उतना ही सदा उल्लसित भी अनुभूत करता है। हम प्रकृति से कितना कुछ निरंतर पाते हैं, यदि उसके प्रति उतना ही देने का भाव रहे तो जीवन में कितनी ही व्यस्तता रहे, तन और मन स्वस्थ रह सकता है। सूर्य नमस्कार इसी दृष्टि से सूर्य के प्रति कृतज्ञता के बहाने नकारात्मक भावों से हमें दूर करने वाला योगासन है। मैंने निरंतर इसे किया है और यह पाया है कि इससे हमारे आस-पास सकारात्मक तरंगों का प्रवाह होता है।

असीमित ऊर्जा इससे मिलती है जिससे पूरा दिन खुशनुमा हो उठता है। कितना ही कार्य करें, उसे करने का बोझ मन में नहीं रहता। भारतीय योग परम्परा की शुरुआत सूर्य नमस्कार आसन से ही होती है। यह शरीर को वार्मअप यानी गर्म करता है और आगे के आसनों के लिए तैयार करता है। पारंपरिक रूपों में, सूर्य नमस्कार में 12 आसन होते हैं। सुविधानुसार यह कम और ज्यादा भी हो सकते हैं।

सूर्य नमस्कार के बारे में जब भी मन में विचार आता है, मुझे हनुमान जी की याद आती है। वाल्मीकि रामायण में हनुमान को सागर पार कर लंका पहुंचने के लिए जामवंत उनकी शक्तियों का स्मरण कराते हैं। पर जामवंत शक्ति का स्मरण तो करा देते हैं परन्तु विशाल समुद्र में छलांग लगाना कोई आसान काम थोड़े ही था। हनुमान इस समय में सूर्य नमस्कार करते हैं। सूर्य से ऊर्जा के लिए प्रार्थना करते हैं। हनुमान द्वारा सागर पार करने के लिए छलांग लगाने की मुद्रा क्या है? सूर्य नमस्कार का आसन ही तो है। एक बार में नहीं, अभ्यास करने पर अतुलित बल इस सूर्य आसन से मिल जाता है। असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। हनुमान के अतुलित बलधामा बनने में सूर्य नमस्कार की क्रिया जुड़ी हुई है।

महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग के अनुसार सूर्य नमस्कार से केवल शारीरिक व्यायाम ही नहीं होता है। इससे ध्यान के ज्ञान में हम प्रवेश करते हैं। सूर्य नमस्कार से जुड़ने का अर्थ है, हमारे भीतर ध्यान का अभ्यास बढ़ना। सूर्य नमस्कार का अर्थ है, शरीर के भीतर निवास करने वाली परन्तु सुप्त रहने वाली ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना। शरीर में असीमित ऊर्जा का वास होता है परन्तु नकारात्मक सोच और फालतू विचारों के कारण यह नष्ट होती रहती है। सूर्य नमस्कार इस ऊर्जा को संचित कर हमें तेज प्रदान करता है। इसलिए यह आसन महत्वपूर्ण है।

यह हमारी समग्र जीवन-दृष्टि में परिवर्तन का हेतु है। सकारात्मकता के भावों के साथ जीवन की उत्सवधर्मिता से जुड़ा है, सूर्य नमस्कार। परम तत्व से साक्षात्कार की यह वह विधा है जो व्यक्ति को अंतर का उजास प्रदान करती है। इसीलिए योग की परम्परा का शुभारंभ सूर्य नमस्कार से ही होता है।

–डॉ. अरुणा व्यास,
स्वतंत्र टिप्पणीकार

क्या इस बजट सत्र में राजस्थानी भाषा को राजभाषा का आधिकारिक दर्जा मिलेगा

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को आधिकारिक भाषा का दर्जा न मिलने के बाद भी उसका अस्तित्व समाप्त होने की स्थिति नहीं रहेगी। यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2019 के बाद हर साल दुनिया से करीब 9 भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो रहा हैं। भाषा का खत्म होना मतलब कि उसकी संस्कृति, सोच और परिवेशबोध भी मर जाता हैं।

अगर हम इसका अर्थ देखें तो भाषाओं को इस तरह मरते जाना उसकी संस्कृतियों के स्वरूप का सिकुडना होता हैं। यूनेस्को के अनुसार दुनिया भर में एक हजार ईस्वीं तक 9000 से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में रही थी, जिनकी संख्या घटते घटते वर्तमान में 7000 के लगभग सिमट गई हैं। डर इस बात का है कि इस तरह भाषाएँ सिमटती गई तो 21वीं सदी के अंत तक दुनिया भर की लगभग 3000 भाषाओं का अस्तित्व और समाप्त हो जाएगा।

यह बात करने का मतलब यह नहीं है कि राजस्थानी भाषा का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। राजस्थानी भाषा इतनी समृद्ध भाषा को सामाजिक स्तर पर मान्यता मिली हुई है। संवैधानिक मान्यता में देर होने से इसका अस्तित्व समाप्त नहीं हो सकता। राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलवाने के लिए पहली बार 1936 में मांग उठी थी। हां यह बात जरूर है कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है और ना ही राजस्थान में राजभाषा का दर्जा है। पिछले दिनों मैं आबू में भारतीय प्रौढ शिक्षा संघ के 65वें अधिवेशन में शिरकत करने गया था। जब हम माउंट आबू की नक्की झील में नौकायन कर रहे थे तो मेरे साथ तमिलनाडु के दो युवा प्रोफेसर भी थें। जो जीवनपर्यंत शिक्षा विभाग में कार्यरत है।

लखनऊ के शिक्षाविद डॉ. मदन सिंह भी साथ थे। वह दोनों युवा साथी अंग्रेजी बोले चले जा रहे थे। और हम हिंदी में बोल रहे थे। बातचीत में जब हमने उनसे कहा कि आप हिंदी क्यों नहीं बोल रहे। संकोच के साथ एक साथी ने कहा कि हम हिंदी नहीं बोल सकते। क्योंकि तमिलनाडु में भाषा राजनैतिक मुद्दा है। तमिलनाडु में स्थानीय भाषा के इतर अन्य भाषा बोलने पर पाबंदी है। उन्होंने बताया कि वर्षों से भाषा राजनैतिक मुद्दा बना हुआ है। अपनी भाषा के प्रति इतना दुलार देखकर मेरा मन खुद से सवाल करने लगा कि हमारे राजनेताओं में भाषा के प्रति इतना दुलार और प्रतिबद्धता क्यों नहीं हैं।

राजस्थान में राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए यह राजनैतिक मुद्दा कभी भी क्यों नहीं बना। राजस्थान में राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए सदैव साहित्यकार ही अपने स्तर पर आंदोलन करते रहे। लेकिन जब मैं पिछले अखबार देख रहा था तो मुझे ध्यान आया कि हमारे राजनेता जब शासन में नहीं होते हैं तब राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने की बात करते हैं, ऐसा ही एक उदाहरण मैं प्रस्तुत करता हूँ। वर्तमान उपमुख्यमंत्री एवं 2023 की राजसमंद सांसद आदरणीया दीया कुमारी जी ने दैनिक समाचार पत्र में 24 जनवरी 2023 को खुद एक आलेख लिखा था–''बजट सत्र में राजस्थानी भाषा को मिले आधिकारिक दर्जा''। शीर्षक से उन्होंने मांग की थी कि राजस्थान के अगले बजट सत्र में राजस्थानी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए सरकार को प्रस्ताव पेश करना चाहिए। तब मुझे लगा कि अब अगले महीने राजस्थान में बजट पेश होने वाला है और यह बजट खुद दीया कुमारी पेश करेगी।

जो मांग उन्होंने उठाई थी, अब यह बजट पेश करने की जिम्मेदारी खुद उनकी है, तो क्या दीया कुमारी राजस्थान में राजस्थानी को राजभाषा बनाने के लिए बजट सत्र में प्रस्ताव रखेगी।

राजस्थानी भाषा राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान भी है, आज के दौर में राजस्थानी को किनारे नहीं किया जा सकता। राजस्थान विशेष की संस्कृति गायब नहीं हो सकती। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का बोलबाला देश में और देश के बाहर भी अस्तित्व में हैं। राजस्थानी संस्कृति और राजस्थानी भाषा की बात तो हमारे प्रधानमंत्री जी जब भी चुनावी मीटिंग में राजस्थान आते हैं तो शुरूआत राजस्थानी भाषा से करते हैं।

हालांकि राजस्थानी के अस्तित्व पर संकट नहीं है। राजस्थानी का अपना शब्दकोष, अपनी व्याकरण और समृद्ध साहित्य मौजूद हैं। राजस्थानी देश की सबसे समृद्ध भाषाओं में से एक हैं। राजस्थानी भाषा को राज की मान्यता नहीं है। जिसे अब मान्यता दी जा सकती है, समय अनुकूल कहा जा सकता है।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

शुभांकर के निर्देशन में फ्रांस में चल रहा देश की कलात्मक विरासत का जश्न

लखनऊ/नई दिल्ली। शुभांकर प्रकाश भारती (संचालन निदेशक) के निर्देशन में फ्रांस में देश की कलात्मक विरासत का जश्न चल रहा है। एक फ़रवरी से आगामी 22 मार्च तक चलने वाली यह प्रदर्शनी पेरिस में प्रतिष्ठित 193 आर्ट गैलरी में आयोजित की जा रही है। फ्रांस स्थित दुनियां के मशहूर शहर पेरिस में भारतीय कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शित करने वाली एक कला प्रदर्शनी आयोजित हो रही है।

प्रदर्शनी के लिए उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर निवासी शुभांकर प्रकाश भारती (संचालन निदेशक) की अगुवाई वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की समृद्ध और विविध कलात्मक विरासत का जश्न मनाना है, जिसमें देश की जीवंत संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली शानदार कलाकृतियों का संग्रह एक साथ लाया जाएगा। प्रदर्शनी में पारंपरिक पेंटिंग, समकालीन कृतियां और मिश्रित मीडिया कृतियां सहित विभिन्न प्रकार की कलाएं प्रदर्शित की जाएंगी। आगंतुकों को भारतीय कलाकारों की अनूठी शैलियों और तकनीकों को जानने, उनकी रचनात्मक प्रक्रियाओं और उनकी उत्कृष्ट कृतियों के पीछे की कहानियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय कला और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली 193 आर्ट गैलरी इस प्रदर्शनी के लिए एकदम सही जगह है।

- **कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की समृद्ध और विविध कलात्मक विरासत का जश्न मनाना है**
- **भारत के शुभांकर प्रकाश कला क्षेत्र में वैश्विक स्तर के प्रतिष्ठित आर्ट संस्थान के निदेशक ऑपरेशन हैं**
- **प्रदर्शनी में पारंपरिक पेंटिंग, समकालीन कृतियां और मिश्रित मीडिया कृतियां सहित विभिन्न प्रकार की कलाएं प्रदर्शित होंगी**

शुभांकर प्रकाश भारती की प्रदर्शनी फ्रांस के पेरिस में प्रतिष्ठित 193 आर्ट गैलरी आयोजित की जा रही है।

शुभांकर प्रकाश ने बताया कि पेरिस के केंद्र में स्थित, गैलरी कला प्रेमियों और संग्रहकर्ताओं को भारतीय कला की सुंदरता और गहराई की सराहना करने के लिए एक परिष्कृत और स्वागत योग्य स्थान प्रदान करती है।

विदेश में भारत की अगुवाई कर रहे टॉपर शुभांकर प्रकाश :- जेएनवी नवोदय विद्यालय सुल्तानपुर से शुभांकर ने बारहवीं कक्षा तक टॉप किया था। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में तीसरी रैंक हासिल की थी। इसी क्रम में शुभंकर ने प्रवेश के लिए शांति निकेतन चुना। फिर वहां से अपनी प्रतिभा के दम पर स्कॉलरशिप पर फ्रांस चले गए। जहां आगे की पढ़ाई की और अब वहां की प्रतिष्ठित आर्ट गैलरी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन है। शुभांकर के भाई रविंद्र प्रकाश बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के रिसर्च स्कॉलर हैं। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जनपद के भारतीय साहित्य के प्रसारक और व्यवसायी राजेश कुमार के एक बेटी और दो बेटों में से एक शुभांकर प्रकाश भारती हैं।

राशिफल बुधवार 5 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, भरणी नक्षत्र रात्रि 8:33 तक, शुक्ल योग रात्रि 9:19 तक, विष्टि करण दिन 1:33 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 2:16 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:33 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 8:33 से आरम्भ होगा। आज ज्वालामुखी योग रात्रि 8:33 से रात्रि 12:36 तक है। आज भद्रा दिन 1:33 तक रहेगी। आज भीमाष्टमी, दुर्गाष्टमी, बुधाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:57 तक, शुभ 11:19 से 12:41 तक, चर 3:14 से 4:46 तक, लाभ 4:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 6:07

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह
नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
आज मित्रों/रिश्तेदारों से अनावश्यक वाद-विवाद हो सकते हैं। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
आर्थिक वित्तिय स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

श्वानों का जोधपुर में आतंक, दो विदेशी पर्यटकों को काटा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के भीतरी क्षेत्रों में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक मचा हुआ है। आए दिन वह किसी ना किसी को काट रहे है। इस बार उन्होंने दो विदेशी युवतियों पर हमला कर दिया। कुत्ते एक युवती के पैर की पिंडली को चबा गए और दूसरी युवती के घुटने में काटा। स्थानीय लोगों ने युवतियों को कुत्तों से छुड़वाया और अस्पताल ले गए।

पहली घटना सुबह नरौ बजे भीतरी शहर के पचेटिया हिल्स क्षेत्र में हुई। विदेशी युवती घूमने निकली थी। तभी एक कुत्ता युवती पर झपट पड़ा और पैर की पिंडली को जकड़ लिया। कुत्ते के काटने से युवती की पिंडली का मांस बाहर आ गया। उसकी चीख सुनकर स्थानीय लोग दौड़े और कुत्ते को भगाया। मौके पर मौजूद लोग उसे नवचौकिया हॉस्पिटल ले गए। दूसरी घटना सुबह ग्यारह बजे की है। तूरजी का झालरा में घूम रही इजराइली पर्यटक पर कुत्ते ने हमला कर दिया। वह भीतरी इलाके में घूम रही थी, तभी कुत्ते ने घुटने पर काट लिया। युवती की चीख सुनकर स्थानीय लोगों ने उसे बचाया। घटना के बाद का युवती का वीडियो भी सामने आया। इसमें दर्द से कराहती युवती नजर आ रही है।

विदेशी पर्यटकों के साथ कुत्तों द्वारा काटने की पहले भी घटनाएं हो चुकी है। गत 28 जनवरी को नीदरलैंड से आई पर्यटक वेन लुइज को भी कुत्तों ने काटा था। इससे पहले 12 जनवरी को स्विजरलैंड के पर्यटक माइकल भी कुत्ते के हमले का शिकार हुए थे। माइकल नौ जनवरी को जोधपुर आए थे और भीतरी शहर के एक गेस्ट हाउस में ठहरे थे। शहर घूमने निकले माइकल पर कुत्ते ने हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया और नवचौकिया हॉस्पिटल में उपचार कराया। इसके बाद वह उदयपुर चले गए।

आवारा कुत्तों के आतंक से आमजन के साथ ही घूमने आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों में भी खौफ है। ऐसे हालात में जोधपुर की छवि पूरे विश्व में खराब हो रही है, लेकिन जिम्मेदार नगर निगम इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

हालात ऐसे ही रहे, तो यहां पर्यटक भी आने से कतराने लगेंगे।

नेत्र चिकित्सा शिविर कल

पाली, (नि.सं.)। श्रीमती ललिता देवी साबू मेमोरियल ट्रस्ट नावां सिटी जिला-नागौर के सौजन्य से पाली सेवा मंडल एवं जिला अन्धता निवारण समिति पाली के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 6 फरवरी 2025 गुरुवार को पाली सेवा मंडल अस्पताल नया गाँव पाली में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का समय प्रात: 9:00 से 1 बजे तक रहेगा।

आंखों से सम्बन्धित विभिन्न बीमारियों का इलाज कर नि:शुल्क दवाईयाँ दी जाएगी । तथा मोतियाबिंद के मरीजों का चयन कर ऑपरेशन के लिए भर्ती किया जाएगा। नि:शुल्क लैन्स प्रत्यारोपण किए जाएंगे। अस्पताल में मरीजों के ठहरने व भोजन की व्यवस्था संस्था व्दारा नि:शुल्क की जाएगी।

सी.बी.आई. की जांच से मिलेगा न्याय : सियोल

जोधपुर, (कासं)। बहुचर्चित अनीता चौधरी हत्याकांड को लेकर सीबीआई की ओर से केस दर्ज करने के बाद ओसियां विधायक भैराराम सियोल ने कहा कि राज्य सरकार ने अपना वादा निभाया है। सीबीआई जांच में अनीता के परिजनों को न्याय और दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

विधायक ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जो वादा किया उसको निभाया है। अब समाज की बेटी को न्याय और दोषियों को कड़ी सजा मिल सकेगी।

बता दे कि जोधपुर में महिला की बॉडी के कई टुकड़े करके गहरे गड्ढे में दफनाने को लेकर सर्व समाज में भारी आक्रोश था। इसको लेकर परिजनों की ओर से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था। जिस पर राज्य सरकार ने प्रतिनिधि के तौर पर ओसियां विधायक भैराराम सियोल को वार्ता के लिए भेजा गया था।

समझौता वार्ता में इस प्रकरण की जांच सीबीआई से करने पर सहमति बनी थी। इसके बाद ओसियां विधायक सियोल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर इस मामले की सीबीआई जांच करवाने का आग्रह किया था। सीबीआई जांच को लेकर राज्य के गृह विभाग की ओर से केंद्र को अनुशंसा भिजवाई गई थी। जिस पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज करते हुए इस मामले को जांच के दायरे में लिया है।

इस मामले को लेकर राजस्थान विधानसभा में ओसियां विधायक ने ऑनलाइन विधानसभा के प्रश्नों में जोधपुर के अनीता चौधरी हत्याकांड की जांच सीबीआई से करवाने संबंधित ऑनलाइन तारांकित प्रश्न भी सदन में लगा रखा था। हालांकि प्रश्न का जवाब आने से पूर्व सीबीआई ने एफआईआर भी दर्ज कर ली है।

जोधपुर मंडल ने डबल स्ट्रैक कंटेनर ट्रेन चलाई

जोधपुर,(का.सं.)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने पहली बार डबल स्ट्रैक कंटेनर ट्रेन का संचालन करने में सफलता हासिल की है। ट्रेन भीलड़ी से हनवंत रेलवे स्टेशनों के बीच सफलतापूर्वक संचालित की गई।

डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने मंडल पर चलाई गई डबल स्ट्रैक कंटेनर ट्रेन के सफलतापूर्वक संचालन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक सफलता से जहां पश्चिमी राजस्थान में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे वहीं इससे लदान क्षमता में भी वृद्धि होगी।

माल ढुलाई से फायदा होगा तथा एक बार में दोगुने से भी ज्यादा सामान को एक से दूसरे स्थान पर आसानी से भेजा जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि भीलड़ी से सोमवार सुबह 10.55 बजे रवाना हुई एमडीसीसी-एचपीजीएच(डबल स्ट्रैक) ट्रेन धानेरा-रानीवाड़ा-मारवाड़ भीनमाल-मोदरान-जालोर-समदड़ी-लूनी जंक्शन होते हुए रात्रि 9 बजे 180 कंटेनर्स के साथ थार ड्राई पोर्ट की हनवंत साइडिंग पर पहुंच गई।

डीआरएम ने जोधपुर मंडल पर डबल स्ट्रैक कंटेनर ट्रेन के संचालन को मंडल के लिए ऐतिहासिक बताया और उम्मीद जताई कि इस ट्रेन के प्रारंभ होने से निर्यातकों को कम लागत पर अपने माल को निर्यात करने में सुविधा उपलब्ध होगी।

डबल स्ट्रैक तकनीक एक निश्चित लंबाई की मालगाड़ी होती है जो लगभग दोगुने कंटेनर ले जा सकती है जिससे प्रति कंटेनर की परिवहन लागत में कमी आती है।

यह ट्रेनें एक बार में 90 गुणा दो यानी 180 कंटेनर एक साथ ले जा सकती है जिनकी वहन क्षमता 360 टन तक हो सकती है।

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार, गाड़ी बरामद

जोधपुर, (कासं)। शहर की बनाड़ पुलिस ने बाइक चुराने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 29 जनवरी को वीरतेजा पुल के नीचे से एक बाइक को चुराया था। आरोपी से अन्य वाहन चोरी की घटना को लेकर पड़ताल की जा रही है।

एएसआई बींजाराम ने बताया कि 29 जनवरी को वीरतेजा पुल नीचे एक अध्यापक की बाइक चोरी हो गई थी। जिस बारे में 30 जनवरी को पुलिस में रिपोर्ट दी गई थी। बाइक चोरी के इस प्रकरण में अब नट बस्ती बीजेएस निवासी अरविंद पुत्र विक्रम नट को पकड़ा गया है। उसकी निशानदेही पर चोरी की बाइक को जब्त किया गया।

भगत की कोठी से प्रयागराज के लिए महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन आज

जोधपुर, (कासं)। रेलवे द्वारा प्रयागराज महाकुंभ-2025 में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा के लिए बुधवार को उपनगरीय भगत की कोठी से महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

ट्रेन में यात्रियों के लिए 15 अनारक्षित डिब्बे होंगे तथा यह भगत की कोठी से डेगाना-रतनगढ़-दिल्ली-प्रयागराज के रास्ते पाटलीपुत्र स्टेशनों के बीच चलाई जाएगी।

जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रयागराज महाकुंभ मेला को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधा के लिए ट्रेन 04813/04814,भगत की कोठी-पाटलीपुत्र-भगत की कोठी महाकुंभ स्पेशल(1 ट्रिप) का संचालन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि ट्रेन 04813,भगत की कोठी से बुधवार अपराह्न 4 बजे रवाना होकर 4.10 बजे जोधपुर आकर 4.20 बजे प्रस्थान व प्रयागराज स्टेशन पर अगले दिन सायं 6.25 बजे पहुंच कर 6.30 बजे रवाना होकर रात्रि 2 बजे पाटलीपुत्र पहुंच जाएगी। वापसी में ट्रेन 04814, पाटलीपुत्र स्टेशन से 7 फरवरी को सुबह 4.30 बजे रवाना होकर दोपहर 12.05 बजे प्रयागराज आकर 12.10 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1.20 बजे जोधपुर और 1.45 बजे भगत की कोठी पहुंच जाएगी।

सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा के अनुसार भगत की कोठी-पाटलीपुत्र महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन में 1 थर्ड एसी,5 स्लीपर,15 जनरल व दो गार्ड एसएलआर सहित कुल 23 डिब्बे होंगे।

ट्रेन आवागमन में जोधपुर, गोटन, मेड़ता रोड, डेगाना, बड़ी खाटू, छोटी खाटू, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़, रतनगढ़, चूरू, सादुलपुर, लोहारू, सतनाली, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा व दानापुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

'चार पहिया वाहन चोरों की गैंग पकड़ी'

जोधपुर (कासं)। शहर की बनाड़ थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोरों की गैंग को पकड़ा है। आरोपियों से दो

- **आरोपियों से दो स्कार्पियो और एक बाइक को**

स्कार्पियो और एक बाइक को जब्त किया गया है। आरोपी बाड़मेर के रहने वाले है। वाहन चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

बनाड़ थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि 6 दिसम्बर को थाना क्षेत्र से एक स्कार्पियो चोरी की रिपोर्ट हुई थी। वाहन चुराने वालों का पता लगाने के लिए पुलिस की टीम को लगाया गया। आस पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को जांचा गया। गहरी छानबीन के बाद पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों बाड़मेर के नागाणा स्थित मातासर भूरटिया निवासी मोहनलाल उर्फ मुन्नारा जाट एवं प्रेम जाट को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से बनाड़ क्षेत्र में चुराई गई स्कार्पियो का जब्त किए जाने के साथ इन लोगों ने जालोर से चुराई एक अन्य स्कार्पियो को भी बरामद किया गया। इन लोगों ने भीनमाल से एक बाइक को चुराया था, जिसे भी बरामद किया गया है। अन्य वाहन चोरी की घटनाओं को लेकर पड़ताल जारी है।

शाकदीपीय ब्राह्मण समाज के लोगों ने सूर्य उपासना की

पाली में सूर्य सप्तमी पर शाकदीपीय ब्राह्मण समाज ने शोभायात्रा निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। सूर्य सप्तमी के अवसर पर पानी दरवाजे के निकट इच्छा पूर्ति माताजी मंदिर परिसर से शाकदीपीय ब्राह्मण समाज की ओर से सुबह हवन कार्यक्रम और सूर्य उपासना के पश्चात 10 बजे शोभायात्रा बैंड बाजा के साथ प्रारंभ हुई।

समाज के लोग सिर पर केसरिया साफा बांधे, महिलाएं पीली चुनरी ओढ़कर, झांकियां में बालक भगवान का रूप धरकर बैठे हुए थे। सूर्य पताकाओं के साथ जय कारे लगाते हुए चल रहे थे। यह शोभायात्रा पानी दरवाजे से रवाना होकर फतेहपुरिया बाजार, सराफा बाजार, सोमनाथ मंदिर, भैरूघाट होते हुए वापस इच्छापूर्ति माताजी मंदिर पहुंच कर समाप्त हुई। यहां पर आरती के पश्चात विभिन्न बच्चों की प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और प्रसादी का कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम में समाज के बसंत शर्मा, प्रकाश शर्मा, अशोक शर्मा कपिल शर्मा, राजन शर्मा, डॉ के एम शर्मा सहित कई जने मौजूद रहे।

संयुक्त महासंघ का धरना 7 फरवरी को

जैसलमेर , (नि.सं.)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ संघ के जिला अध्यक्ष भंवरलाल गर्ग ने बताया कि नेशनल पेंशन सिस्टम को रद्द कर पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर एवं खेमराज कमेटी की रिपोर्ट लागू की गई इसका विरोध करेंगे और उसकी होली जलाएंगे।

केंद्र व राज्य सरकार के करोड़ों कर्मचारी करीब 20 सालों से पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं राजस्थान में अभी ओपीएस लागू है।

केंद्र ने यूपीएस आगामी 1 अप्रैल से लागू करने की बात पर राजस्थान में आम कर्मचारियों में संशय है कि राजस्थान में भी यूपीएस लागू नहीं कर दे इसी को लेकर आम कर्मचारी वर्ग परेशान है। 11 सूत्री मांग पत्र भी राज्य सरकार के पास लंबित है। उनका भी निराकरण करवाने हेतु सविंदा एवं ठेका कर्मचारियों को स्थाई करने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्थाई करने हेतु उनका नियमित वेतनमान देने को लेकर। कई विद्यालयों विभागों को को बंद भी किया जा रहा है । वेतन विसंगतियों को दूर करना ऐसी कई मांगे हैं जो मांग पत्र में सम्मिलित है। मांगों को मनवाने के लिए विशाल धरना प्रदर्शन एक दिन का 7 फरवरी को जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने संयुक्त महासंघ से जुड़े कर्मचारी एक दिवसीय अवकाश लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे

देवनारायण भगवान की शोभायात्रा निकाली

पाली में देवनारायण भगवान के जन्मोत्सव को लेकर शोभायात्रा निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। देवनारायण भगवान के 1113 वें जन्मोत्सव को लेकर मंगलवार को पाली शहर में शोभायात्रा निकाली गई।

पाली शहर के देवजी का बास स्थित मंदिर से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा रवाना हुई जो शहर के विभिन्न रास्तों स होकर वापस मंदिर पहुंच सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग शामिल हुए।

सुबह देवजी का बास स्थित देवनारायण भगवान को खीर, पुड़ी, चुरमे का भोग लगाया गया। उसके बाद गाजे-बाजे से शोभायात्रा रवाना हुई। पूरे रास्ते गुर्जर समाज के लोग देवनारायण भगवान के जैकारे लगाते हुए चल रहे थे। महिलाएं सिर पर कलश धारण किए हुए चल रही थी। शोभायात्रा देवजी के बास स्थित मंदिर से रवाना होकर भैरूघाट, गीता भवन, सूरजपोल, सोमनाथ मंदिर होते हुए वापस देवजी का मंदिर पहुंच सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के महिला-पुरुष शामिल रहे।

पूरे रास्ते शोभायात्रा में युवा और बच्चे भजनों पर झूमते हुए चलते नजर आए। महिलाएं सिर पर कलश धारण किए हुए मंगल गीत गाते हुए माहौल को धर्ममय करते हुए चल रही थी। शोभायात्रा में शामिल झांकियों के जरिए भगवान देवनारायण के संदेशों को दर्शाया गया। इससे पहले सोमवार रात को भजन संध्या का आयोजन भी देवजी बास स्थित भगवान देवनारायण के मंदिर में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग शामिल हुए।

ज्वैलरी कारोबारी के साथ 35 लाख रुपए की ठगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में रहने वाले एक ज्वैलरी कारोबारी को शातिर शख्स ने परिचित का हवाला देकर उससे सोने के बिस्किट के नाम पर धातु थमाकर 35 लाख की ठगी कर डाली। बाद में कभी शातिर रूपयों के लिए जयपुर बुलाता तो कभी मुंबई। आखिरकार वह मुंबई से फरार हो गया। अपने स्तर पर काफी तलाश के बाद ठग हाथ नहीं लगा तो पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। इस बारे में सरदारपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया।

मामले के अनुसार आडा बाजार हाल गणपति नगर शांतिनाथ नगर, प्रतापनगर के रहने वाले सुनील माहेश्वरी ने रिपोर्ट दी है। दर्ज रिपोर्ट में उसने बताया कि वह वह सोने चांदी के आइटम बनवाकर शहर के व्यापारियों आदि को होलसेल पर उपलब्ध कराता है। वह जोधपुर के रामदेव मंदिर रोड मसूरिया के मनोज सोनी को भी ज्वैलरी बनाकर देता है। गत साल सितंबर में उसके मोबाइल पर किसी शख्स ने वाटसअप कॉल किया और कहा कि उसने मनोज सोनी से आपके नंबर लिए और वह सस्ती दर पर सोना उपलब्ध करवाता है। उस शख्स ने खुद का नाम धनराज सोनी बताया था।

इस पर सुनील माहेश्वरी ने उसे सितंबर अंत में मिलने के लिए बुलाया। तब धनराज सोनी नाम का शख्स उससे मिलने के लिए जोधपुर आया और उसे 100 ग्राम सोने का बिस्किट दिखाया। जांच में बिस्किट असली सोने का पाया गया।असली सोना जानकार सुनील माहेश्वरी ने उसे 500 ग्राम सोने का ऑर्डर दिया। बाद में इसकी खरीद फरोख्त के लिए सितंबर अंत में ही वह शख्स धनराज सोनी एक अन्य लडक़े को साथ लेकर जोधपुर आया। यहां चिल्ड्रन पार्क के पास में उसे 500 ग्राम सोना प्लास्टिक की डिब्बी में पांच बिस्किट रूमाल में बांध कर दिए। बदले में उसे 35 लाख रूपए दे दिए। धनराज सोनी ने कहा कि कोई पकड़ लेगा, इसलिए वह जल्दी सोना लेकर निकल जाएं। तब सुनील माहेश्वरी अपने दो तीन अन्य साथियों मानसिंह गौड़, चंदनसिंह, राजू आदि के साथ में ऑटो लेकर निकल गए। घटना के समय यह लोग भी साथ थे।

इसके बाद में जब गोल्ड के चैक कराया तो पता लगा कि वह केवल धातु है। असली सोना नहीं है। बाद में धनराज सोनी को कॉल करने पर उसने कई बात तो फोन नहीं उठाया और अंत में फोन उठाने पर कहा कि वह 1 अक्टूबर को जयपुर आ रहा है। जहां पर वह दिए गए रूपए लौटा देगा। पुलिस में केस दर्ज मत कराना। बाद में सुनील माहेश्वरी उसके जयपुर बताए ठिकाने पर अपने परिचितों के साथ जयपुर गया।

वहां पहुंचने पर धनराज सोनी ने कहा कि वह जरूरी कार्य से मुंबई निकल गया है। 9 अक्टूबर को मुंबई आ जाना। इस पर सुनील माहेश्वरी अपने परिचितों को लेकर मुंबई गोरेगांव पहुंचे। जहां ऑबेरॉय होटल गोरेगांव पुल पर धनराज सोनी व उसके साथ आया लडक़ा मौजूद थे, मगर वे लोग सुनील माहेश्वरी को देखकर वहां से फरार हो गए। भीड़भाड़ ज्यादा होने पर दोनों वहां से गायब हो गए।

पीड़ित सुनील माहेश्वरी ने रिपोर्ट में बताया कि वह काफी समय तक ठगों की तलाश में लगा रहा, मगर उनका पता नहीं चल पाया। अब उसने पुलिस में रिपोर्ट दी है। शातिर ने उससे 35 लाख रूपए की ठगी कर ली। जांच थानाधिकारी शेषकरण बारहठ की तरफ से की जा रही है।

डोडा, गांजा व शराब बेचते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। अवैध रूप से नशीले पदार्थ रहे तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर डोडा पोस्त, गांजा और शराब जब्त की।

कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीरसिंह ने शिवनगर केबीएचबी क्षेत्र में अवैध रूप से डोडा बोस्त बेचने के आरोप में हड़मानराम विश्नोई को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से ढाई किलो डोडा पोस्त जब्त किया। भगत की कोठी थानाधिकारी राजीवल भादू ने ओम कॉलोनी बासनी में अवैध रूप से गांजा बेच रहे नरपत चौहान पुत्र शंकर चौहान को गिरफ्तार कर गांजा जब्त किया।

बासनी थाने के एसआई सुरेश कुमार ने पशु आहार के सामने अवैध रूप से शराब बेच रहे श्यामलाल पुत्र बाबूलाल को गिरफ्तार कर बेचने को रखी अवैध शराब जब्त की। देवनगर थाने के एसआई चमनाराम ने पुरानी रेलवे पटरी के पास नट बस्ती क्षेत्र में हथकड़ी शराब बेच रहे मनोज पुत्र शोकिन नट को गिरफ्तार कर दो लीटर हथकड़ी शराब जब्त की।

देवनगर थाने के हैडकांस्टेबल नीबसिंह ने राजीव गांधी कॉलोनी में अवैध रूप से शराब बेच रही श्रीमती शीला पत्नी स्व. जितू नट को गिरफ्तार कर 20 पव्वे जब्त किए।

वृद्धा सोती रही, चोर माल ले गए

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती डांगियावास स्थित बिसलपुर गांव में एक घर में चोरी हो गई। घर में केवल वृद्धा थी जोकि रात में सो रही थी। अज्ञात चोर घर से एक किलो चांदी के साथ दो तोला सोने के जेवर चुरा ले गया। सुबह वृद्धा जागी तो चोरी का पता लगा। वृद्धा की तरफ से पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

डांगियावास पुलिस थाने के एएसआई कुशालराम ने बताया कि बिसलपुर में रहने वाले दिनेश दास पुत्र किशनदास वैष्णव की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि गांव के उसके एक मकान में मां अकेली सोती है। वह रात को अपनी ढाणी में चला गया था। सुबह उठने पर पता लगा कि उसके घर में केवल एक कमरें में चोर घुसा और वहां बक्सें में से सामान बाहर निकाल कर दो तोला सोने के जेवर, एक किलो चांदी के आइटम ले गया है। सुबह मां के जागने पर चोरी का पता लगा। एएसआई कुशाल राम ने बताया कि मौका मुआयना किया गया है। चोर का पता लगाने का प्रयास जारी है।

वहीं प्रतापनगर हुडको क्वार्टर- के . सेक्टर में बंद मकान से चोर पांच छह तोला सोना और एक लाख की नगदी चुरा ले गए। संबंधित थाना पुलिस अब चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि बिजलीघर के पीछे जे.-36 निवासी नवजीत सिंह पुत्र हरिसिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके बड़े भाई अमरीक सिंह का एक मकान के. सेक्टर हुडको में आया है। वे हैदराबाद गए हुए है। रात्रि के समय में अज्ञात चोरों ने घर के ताले तोडक़र वहां से 5-6 तोला सोने के जेवर, चांदी के आभूषण और एक लाख की नगदी चोरी कर ले गए। उनसे बात होने पर यह जानकारी दी गई। वे हैदराबाद से अभी नहीं आए है।

'पाली की तस्वीर बदलनी चाहिए' स्मारिका का विमोचन किया

पाली, (नि.सं.)। कालांतर में पारा, पेपावती और आज पाली नामकरण वाली ऐतिहासिक ऐश्वर्य नगरी हैजहां पत्थर भी बोलते हैं,इसका वैभव बना रहना चाहिए इसकी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को बनाए रखने के लिए हम सबको जागरूकता के साथ मिलकर सतत प्रयास करते रहना चाहिए ताकि इस शहर का स्वच्छ पर्यावरण,ड्रेनेज सिस्टम, सड़के, नालों, नहरों, नदी, तालाब, नाडी में पानी का आवागमन सुगम हो,नगर की स्वच्छता हो,अतिक्रमण का दाग मिटे,विकास की पारदर्शिता सुनिश्चित हो और नेताओं व अधिकारियों में जनहित की कर्तव्य पारायणता की इच्छा शक्ति होनी चाहिए तभी शहर अत्यधिक विकास कर सकेगा और ये तभी संभव होगा जब जनता खुद जागरूक और जनप्रतिनिधि, अधिकारी जवाब देह होंगे। ये विचार आज यहां मंडली खुर्द हेमावास चौराहे स्थित चाणक्य आश्रम में "सेवा और संकल्प" महा समिति दारा प्रकाशित स्मारिका,, पाली की तस्वीर बदलनी चाहिए' के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के उप क्रम एठीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के निवर्तमान संस्थापक अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता सुपारस भंडारी बोल रहे थे,

पिछले साल 5 अगस्त को बाढ के पानी में डूब चुके पाली शहर की बर्बादी के लिए जिम्मेदारों को गैर जिम्मेदार बताते हुए वरिष्ठ नेता सुपारस भंडारी ने कहा कि शहर में आज आमूलचूल सुधार की जरूरत है और मुझे खुशी है कि इस दिशा में सेवा और संकल्प महा समिति के अध्यक्ष जबर सिंह राजपुरोहित ने राजनीति से ऊपर उठकर सूझ बूझ के साथ जन हित में जिला कलेक्टर तथा जिला अधिकारियों की टीम को साथ लेकर शहर की जानलेवा गंभीर समस्याओं का सर्वे करवाया। जिस पर ठोस काम हुआ तथा जिला कलेक्टर एल एन मंत्री ने इच्छा शक्ति के साथ एक अच्छी कार्य योजना बनाई जिसके लिए जबर सिंह,सेवा और संकल्प की पूरी टीम, जिला कलेक्टर एल एन मंत्री,एडीएम भवानी सिंह पंवार सहित सर्वे टीम के सभी अफसरों को साधुवाद देते हुए उम्मीद जताई कि जल्दी ही राज्य सरकार जन हित में 169 62 करोड़ का बजट जारी करेंगे,उन्होंने कहा कि शहर में अब तक के प्रयासों पर प्रकाशित पाली की तस्वीर बदलनी चाहिए स्मारिका जिला प्रशासन का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है जो अब नागरिकों के हाथों में है ये पाली शहर के विकास में मिल का पत्थर साबित होगा।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे पाली बार एसोशिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मदन लाल सोनी ने कहा कि जुल्म इतना बुरा नहीं जितनी खामोशी है,बोलना सीखो वरना पीढ़ियां गूंगी हो जाएगी,पाली में परिवर्तन आसान नहीं होता,संभव बनाना पड़ता है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि विजिलेंस सर्वे कमेटी के अध्यक्ष एडीएम सीलिंग भवानी सिंह पंवार के काम की सभी वक्ताओं ने जमकर तारीफ कर उनका नागरिक अभिनंदन से बहुमान किया,

सेवा और संकल्प महा समिति के प्रदेश अध्यक्ष जबर सिंह राजपुरोहित ने अब तक कार्य योजना पर प्रकाश डालकर भावी योजनाओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया,पर्यावरणविद दानिस फौजदार व प्रवीण कुम्भट ने कहा कि अन्याय सहना कायरता की निशानी है इसलिए जनता खुद अपने अधिकारों के लिए जागरूक बने,वरिष्ठ नागरिक समिति के जिलाध्यक्ष रामलाल मोहबारसा ने शहर में बरसाती पानी के भराव की स्थाई निकासी के ठोस उपाय करने का आव्हान किया। किसान संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह मंडली ने जंवाई बांध पुनर्भरण योजना में तेजी लाने का संयुक्त प्रयास का आव्हान किया,चाणक्य आश्रम के गादीपति जगदीशानंद महाराज ने शहर के नदी,नालों, नाडी,तालाब,बहाव के रास्तों में बाधक बने अतिक्रमण तुरंत हटाने की कार्य योजना पर काम करने का सुझाव दिया। सेवा और संकल्प महा समिति की प्रदेशमहिला अध्यक्ष लहर कंवर राठौड़ ने सिटी सीवरेज की असफल कार्य योजना में सुधार की जरूरत बताई,अधिशाषी अभियंता नन्द किशोर बालोटिया ने सीवरेज के दूषित पानी का सिटी टैंक में प्रवेश को रोकने व शुद्ध पेयजल सप्लाई की कार्य योजना पर काम करने की जरूरत बताई, निवर्तमान अधिशाषी अभियंता तारा राम गहलोत ने इस महा अभियान से आमजन को जोड़ने और जन जागरूकता पर जोर दिया,विकास अधिकारी भंवर लाल शर्मा ने शहर के विकास के लिए पाली की जन शक्ति को साथ आने का आव्हान किया वही उज्जवल लॉव कॉलेज के चेयरमैन गुणेश रावल ने कहा कि शहर के विकास के लिए हम सबको सकारात्मक प्रयास करने चाहिए। स्वागत भाषण स्मारिका के प्रधान संपादक गजेंद्र सिंह मंडली ने दिया तथा संपादक जगत सिंह राठौड़, पोपट लाल राणावत,मुकेश चौधरी बिजोवा,जयेश सोलंकी, एडवोकेट एम एम बोडा, सीताराम देवासी, ललित बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह का संचालन एडवोकेट तरुण मेहता ने किया। अंत में हीरालाल व्यास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के राजीव गांधी भवन में युवा कांग्रेस जालौर की मासिक बैठक युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक थांवला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। महासचिव लक्ष्मण सिंह सांखला, प्रदेश संयोजक एव विधानसभा प्रभारी रमेश जी सारण का युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शह पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया जिसमे जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर एलाना, अशोक जोगसन , सांचोर विधानसभा उपाध्यक्ष दिलीप गर्ग , जालोर विधानसभा उपाध्यक्ष प्रहलादाराम मेघवाल, परवीन लुकड लक्ष्मीकांत दवे, सुरेश मेगवाल, राजूराम चौधरी सोहन खिलेरी,श्रवण गर्ग, नटवर गर्ग नैनाराम, भावेश गर्ग, लक्ष्मण गेहलोत, नेपाल, मुकेश आदि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भगवान श्री देवनारायण के गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करें : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सवाईभोज में भगवान श्री देवनारायण जी के 1113वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की

भीलवाड़ा, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को भीलवाड़ा जिले के आसींद क्षेत्र के दौरे पर रही। उप मुख्यमंत्री ने सवाईभोज में भगवान श्री देवनारायण जी के 1113वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उपमुख्यमंत्री ने देवनारायणजी के मंदिर दर्शन के पश्चात मौजूद जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीदेवनारायण ने समाज में फैली बुराइयों को समाप्त करने का कार्य किया। भगवान श्रीदेवनारायण ने सर्व समाज व सनातन की रक्षा हेतु विभिन्न कार्य किये। उन्होंने भगवान श्री देवनारायण के गुणों को जीवन में आत्मसात करने को कहा। उपमुख्यमंत्री ने भगवान विष्णु के 6वें अवतार भगवान श्री देवनारायण जयंती के अवसर पर उपस्थित आमजन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

- **उपमुख्यमंत्री ने प्रेमसागर सरोवर के सौंदर्यीकरण, लाइट डेकोरेशन के कार्य व देवनारायण आवासीय बालिका विद्यालय खोलने की घोषणा की**

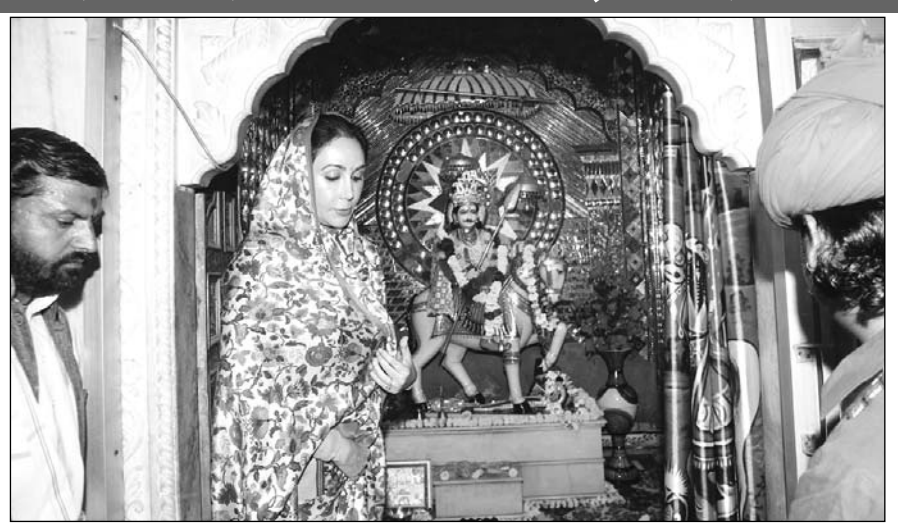

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सवाईभोज में भगवान श्री देवनारायण जी के दर्शन किये।

कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधि व आमजन की मांग पर उपमुख्यमंत्री ने प्रेमसागर सरोवर के सौंदर्यीकरण व लाइट डेकोरेशन के कार्य व देवनारायण आवासीय बालिका विद्यालय खोलने की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द इन कार्यों को बजट घोषणा में शामिल कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार डबल इंजन के रूप में प्रदेश के हर वर्ग व हर क्षेत्र के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

इसी के तहत आगे भी बजट घोषणा में प्रत्येक वर्ग का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री देवनारायणजी राजस्थान के एक लोक देवता, शासक और महान योद्धा थे। उन्होंने लोगों के दु:ख व कष्टों का निवारण किया। देवनारायण जी ने अपने अनुयायियों को गायों की रक्षा का संदेश दिया।

देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीदेवनारायण जी ने जीवन में बुराइयों से लड़कर अच्छाइयों को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि भारत भूमि पर जन्म लेना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना, आसींद विधायक जब्बर सिंह, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर ने देवनारायण जी के बारे में अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में पंजाब के पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह, जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, पूर्व विधायक रामलाल गुर्जर, गुलाबपुरा नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष धनराज गुर्जर, जिला परिषद सदस्य नंदलाल गुर्जर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, अधिकारी व बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

"हिट-एंड-रन" की घटना : एक और घायल की मौत

दूसरे घायल ललित ने भी उदयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा में सामने आई "हिट-एंड-रन" की घटना के जिंदगी से लंबी जद्दोजहद के बाद आख़िर दूसरे घायल ने भी उदयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तेज रफ्तार फॉरच्यूनर ने 28 जनवरी को ललित कोली और कृष्णा कोली को अपनी चपेट में ले लिया था। कृष्णा कोली ने गत दिनों इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था, बीती रात को उदयपुर में इलाज के दौरान ललित भी जिंदगी से जंग हार गया।

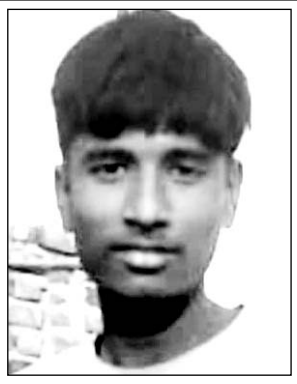

मृतक ललित

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि कुवाड़ा खान क्षेत्र स्थित रजिस्ट्रार ऑफिस के बाहर 28 जनवरी की देर शाम तेज रफ्तार फॉरच्यूनर गाड़ी ने कुवाड़ा रोड़ निवासी कृष्णा कोली (14) पुत्र मुकेश कोली व ललित कोली (17) पुत्र बाबूलाल कोली को अपनी चपेट में ले लिया था। हादसे में ये दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये थे, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से दो दिन पहले ललित को उदयपुर रैफर कर दिया गया। वहीं कृष्णा ने शुक्रवार को शहर के एक निजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था, जिसके बाद समाज के लोगो ने सांगानेरी गेट पर जाम लगा मुआवजे की मांग को लेकर करीब पांच घंटे तक हंगामा किया था। इस मामले में दूसरे घायल ललित की भी उदयपुर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह खबर जब कोली समाज को मिली तो शोक छा गया।

थाना प्रभारी गुर्जर का कहना है कि इस मामले में फॉरच्यूनर चालक शंकर गुर्जर की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। मृतक ललित के शव को भीलवाड़ा लाया गया, जहां पंचमुखी मोक्षधाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

एसीबी ने जांच में कांस्टेबल को रिश्वत का दोषी माना

बीकानेर, (निसं)। बज्जू पुलिस थाने के तत्कालीन कांस्टेबल ने एक परिवाद में जांच बंद करने और फाइल तैयार करने के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जांच में कांस्टेबल को दोषी माना है।

- **शिकायतकर्ता और आरोपी में राजीनामा भी हो चुका था, फिर भी मांगे थे 20 हजार रुपए**

बज्जू में माणकासर निवासी परिवादी मनीराम बिश्नोई के खिलाफ बज्जू थाने में एससीएसटी का परिवाद दिया गया था। मनीराम और परिवादी लालूराम सांसी के बीच राजीनामा भी हो गया।

इसके बावजूद बज्जू थाने के तत्कालीन कांस्टेबल बनवारीलाल बिश्नोई ने मनीराम से जांच बंद करने और फाइल तैयार करने के खर्चे के 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इसकी शिकायत मिलने पर ब्यूरो ने सत्यापन करवाया और 19 सितंबर, 2023 को बज्जू के सरकारी क्वार्टर में कांस्टेबल को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप कर लिया। ब्यूरो के इंस्पेक्टर आनंद मिश्रा ने मुकदमे की जांच की और कांस्टेबल को रिश्वत लेने का दोषी माना है। जांच पूरी कर कांस्टेबल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय में चालान पेश कर दिया है।

परिवादी मनीराम ने सितंबर, 2023 में ब्यूरो को शिकायत की थी कि 3 डीओबीबी बरसलपुर में उसका 40 बीघा खेत है जो फलौदी निवासी मांगीलाल जाट को काश्त पर दे रखा है। मांगीलाल ने 10 बीघा आरडी 860 निवासी लालूराम सांसी को बिजाई के लिए दे दी।

पानी देने पर मनीराम और लालूराम में कहासुनी हो गई। लालूराम ने बज्जू थाने में एससीएसटी का आरोप लगाते हुए परिवाद दे दिया। जांच कर रहे कांस्टेबल ने 8 सितंबर, 2023 को मनीराम को फोन कर थाने बुलाया। समझौते के बाद भी जांच बंद करने के लिए 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। ब्यूरो ने 12 सितंबर, 2023 को इसकी पुष्टि की और अगले दिन सत्यापन करवाया। 19 सितंबर, 2023 को बज्जू में पंचायत समिति के पास सरकारी क्वार्टर में कांस्टेबल 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप हो गया।

मुख्यमंत्री आज जोधपुर आएंगे

जोधपुर/जालोर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पांच फरवरी, बुधवार को जोधपुर आएंगे। एक दिवसीय यात्रा पर वे जोधपुर होकर जालोर जाएंगे तथा वहां विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री प्रात: 10:35 बजे जयपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा प्रस्थान कर मध्याह्न पूर्व 11:20 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

इसके पश्चात वे 11:25 बजे हेलिकॉप्टर से नरसाणा, तहसील बागोड़ा, जिला जालोर के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वे मध्याह्न 12:20 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे और श्रीईश्वर महादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1:30 बजे कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान कर 01:35 बजे हेलिपैड, नरसाणा पहुंचेंगे और वहां से हेलिकॉप्टर द्वारा भादरूणा, जिला जालोर के लिए उड़ान भरेंगे। दोपहर दो बजे वे भादरूणा पहुंचेंगे और 2:30 बजे तक स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री इसके पश्चात अपराह्न 2:30 बजे कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान कर हेलिपैड, भादरूणा पहुंचेंगे और वहां से हेलिकॉप्टर द्वारा जोधपुर एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेंगे।

हथियार सहित एक गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी मोहर सिंह ने बताया कि रात्रि को एसएचओ के नेतृत्व में हैड कानि. सुरेन्द्र, कानि. विक्रम सिंह, कानि. महेन्द्र सिंह व सुरेश कुमार की टीम गश्त करते हुये केशवाना स्थित रीको एरिया में पहुंची, वहां से एक युवक गिर्राज उर्फ गज्जु (23) पुत्र गाडाराम गुर्जर निवासी हमीरपुर, हरसौरा (बानसूर) को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा व तीन जिंदा कारतूस बरामद किये।

लेपर्ड के दो शावकों को सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क भेजा

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर से करीब 21 किलोमीटर दूर सराडी गांव में चार दिन पहले पिंजरे में आए लेपर्ड के दो शावकों को अब उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लेकर आ गए हैं। दोनों शावकों को डॉक्टरों की निगरानी में बड़ा किया जाएगा।

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शावकों की मां की तलाश के लिए पिंजरा लगाया गया था, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं आया। इसके बाद शावकों को बायो पार्क उदयपुर लेकर आया गया। जानकारी के अनुसार एक फरवरी की सुबह सराडी गांव के इलाके में मंदिर के पास लगाए एक पिंजरे में दो शावक लेपर्ड आ गए थे। वन विभाग की टीम का मानना था कि दोनों शावक लेपर्ड अपने मां से दूर न हो, इस कारण उन्होंने उसी पिंजरे के पास एक और पिंजरा लगाया। करीब 60 घंटे इंतजार के बाद भी पास वाले पिंजरे में शावक लेपर्ड की मां नहीं आई। दोनों लेपर्ड शावक को उदयपुर शहर में स्थित सज्जनगढ़ बायो पार्क ले आए। दोनों की उम्र करीब 4 महीने है। अब पार्क में इनकी देखभाल की जा रही है। डॉक्टरों की टीम इनके सेहत की लगातार जांच कर रही है। यहां बायो पार्क में दोनों को अलग-अलग पिंजरे में रखा गया है। एक केयर टेकर उनकी देखरेख कर रहा है।

हाइवे पर अनाज से भरा ट्रेलर पलटा

पावटा, (निसं)। जयपुर दिल्ली नेशनल हाईवे-48 पर पावटा कस्बा स्थित होटल होली डे फन के सामने अनाज की बोरियों से भरा ट्रेलर पलट गया। इसमें किसी के हताहत नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। सोमवार रात्रि करीब ग्यारह बजे दिल्ली की ओर से आ रहा ट्रेलर अचानक पलटी खा गया, जिससे ट्रेलर में भरी अनाज की बोरियां हाईवे पर बिखर गई। ट्रेलर के हाइवे के बीच पलटने से हाइवे पर जाम की स्थिति बनी रही। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची व क्रेन से ट्रेलर को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

किठाना ग्राम में जंगली जानवर का आतंक

सुलताना, (निसं)। क्षेत्र के किठाना गांव में अज्ञात जंगली जानवर के आतंक से पशुपालक भयभीत हैं। अज्ञात जंगली जानवर ने रात को पशुपालक विनोद सिंह मवेशियों के बाड़े में घुसकर भेड़ों के पांच मेमनों का शिकार कर लिया।

अल सुबह मवेशियों के बाड़े से आवाज आई तो पशुपालक विनोद सिंह और उनके बेटे ने जाकर देखा तो बाड़े से भेड़ों के मेमने गायब थे तथा बाड़े के पास जंगली जानवर के पैरों के निशान थे। इसके बाद जंगली जानवर के पग मार्क से थोड़ा आगे जाकर देखा तो मृत मेमनों के अवशेष मिले। इसके बाद पशुपालक ने सुलताना पुलिस और वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद चिड़ावा वन विभाग कार्यालय की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पशुपालक से घटना को लेकर जानकारी लेते हुए मौके से मिले पगमार्क के स्नेप वन विभाग के अधिकारियों को भेजे हैं। वन विभाग के कार्मिकों ने बताया कि प्रथम दृष्टया पगमार्क कुत्ते के लगते हैं। पगमार्क उच्च अधिकारियों को भेजे गए हैं। पगमार्क के आधार पर अधिकारियों द्वारा शिकार करने वाले जानवर की जानकारी दी जाएगी। ग्रामीणों में बताया कि कुत्ता एक साथ पांच मेमनों का शिकार नहीं कर सकता। ग्रामीणों ने जंगली जानवर के शिकार करने की आशंका जताई हैं। वह विभाग की कार्मिकों ने पशुपालकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

नाबालिग से दुष्कर्म किया

नोखा, (निसं)। थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ उसके बुआ के बेटे ने दुष्कर्म किया। बच्ची के पिता ने पुलिस को शिकायत दी कि उनकी बेटी घटना के दिन घर पर अकेली थी। आरोपी ने लड़की को अपने बहनोई से मिलवाने के बहाने जोधपुर ले जाने की बात कही। लड़की के मना करने के बावजूद वह उसे बहला-फुसलाकर जोधपुर ले गया। जोधपुर में आरोपी ने पीड़िता को एक कमरे में बंद कर दिया और रात में जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने बच्ची को धमकी दी कि अगर किसी को इस बारे में बताया तो उसे और उसके माता-पिता को जान से मार देगा। अगले दिन पीड़िता के पिता और एक अन्य व्यक्ति जोधपुर पहुंचे और उसे वापस ले आए। धमकियों के कारण पीड़िता ने उस समय यह बात किसी को नहीं बताई। पीड़िता के पिता ने बताया कि कुछ दिनों बाद आरोपी ने पीड़िता की एडिट की गई अश्लील तस्वीरें फेसबुक पर वायरल करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही वह पीड़िता के पिता को धमकी दे रहा है कि वह फिर से उनकी बेटी को उठा ले जाएगा और उसकी जिंदगी बर्बाद कर देगा। इसके पीड़िता के पिता ने नोखा थाने में मामला दर्ज करवाया।

पैंथर के हमले आठ लोग घायल

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुरा द्वितीय में पैंथर ने लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें जगदीश, रंजीत, पटेल, राहुल, भंवर सिंह, अनीश व हीरा घायल हो गये जिसमें चार व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीण शेरखान ने बताया कि जगदीश पुत्र रणजीत गांव के समीप ही बकरियां चरा रहा था। तभी पास ही चट्टान में से निकलकर पैंथर आया और जगदीश की बकरियों पर हमला कर दिया। जगदीश ने बकरियों को बचाने के चक्कर में बीच बचाव करने लग गया लेकिन पैंथर ने जगदीश पर ही हमला कर दिया। जगदीश के चीखने व चिल्लाने पर अन्य ग्रामीणों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन पैंथर ने उसी वक्त अन्य लोगों पर भी हमला कर सबको घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सरपंच प्रभु सिंह मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को रामगढ़ चिकित्सालय पहुंचाया, जहां सभी घायलों प्राथमिक उपचार के बाद ब्यावर के लिए रेफर कर दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को सूचना देने के बावजूद कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। लंबे समय के बाद वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे और जानकारी ली।

तहसीलदार ने नाबालिग की शादी रुकवाई

जैसलमर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर स्थित गफूर भट्टा में एक नाबालिग किशोरी की शादी की खबर मिलने पर पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा और विवाह को रुकवाया।

परिजनों का कहना है कि सगाई की रस्म हो रही थी, मगर तहसीलदार परसाराम ने बताया कि नाबालिग की सगाई करना भी कानूनी तौर पर गलत है।

तहसीलदार ने परिजनों को पाबंद किया और थाने में लेकर लाए, वहीं नाबालिग किशोरी को बाल कल्याण समिति को सौंपा। मौके पर लगे टैंट आदि भी खोलकर पुलिस थाने ले आई। तहसीलदार व शहर कोतवाली पुलिस मामले की छानबीन कर रहे हैं।

तहसीलदार पारसमल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार सुबह उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। जिस पर वे शहर के गफ्फूर भट्टा स्थित विवाह स्थान पर पहुंचकर निकाह को रुकवाया व साथ ही निकाह में इस्तेमाल किए जाने वाले सामान को जब्त कर लिया है। वहीं नाबालिग को सीडब्ल्यूसी को सौंप दिया गया है।

युवती से छेड़छाड़

जोधपुर, (कासं)। एक युवती ने चार व्यक्तियों के खिलाफ आसाराम आश्रम पाल में अश्लील हरकतें करने का मुकदमा बोरानाड़ा थाने में दर्ज कराया। थाने में दी रिपोर्ट में महिला ने बताया कि गत वर्ष 21 जुलाई को वह आसाराम आश्रम पाल गांव गई थी जहां पर पंकज मीरचंदानी उर्फ अर्जुन पुत्र किशनचन्द, चेतनराम साहू पुत्र धनाराम, सचिन भोला पुत्र श्यामसुंदर भोला, जीवन ने एकराय होकर उसके साथ अश्लील हरकतें कर उसकी लज्जा भंग की।

भारत-पाक बॉर्डर पर फिर मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

बीकानेर, (निसं)। भारत पाकिस्तान बॉर्डर के पास ही स्थित गांव में एक बार फिर पाकिस्तानी गुब्बारा मिला है। हवाई जहाज के खिलौने जैसा ये गुब्बारे का रंग इस बार थोड़ा अलग है। किसान के खेत में गिरे इस गुब्बारे के बारे में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को रिपोर्ट किया गया, जहां से आए अधिकारियों ने इसे अपने कब्जे में ले लिया।

- **गुब्बारे पर पीआईए लिखा हुआ था, जो पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का प्रतीक है**
- **सूचना के बाद बीएसएफ जी ब्रांच और सीआईडी के अधिकारी मौके पर पहुंचे**

जानकारी के अनुसार गांव 3 केजेडी के पास स्थित 2 केजेडी खेत में एक पाकिस्तानी गुब्बारा हवा में झूलता हुआ मिला। खेत में काम कर रहे किसान रविन्द्र भादू ने इस गुब्बारे की पुलिस व बीएसएफ को सूचना दी। किसान ने बताया कि गुब्बारे पर पीआईए लिखा हुआ था, जो पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का प्रतीक है। यह गुब्बारा खेत में गिरने से आसपास के क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। किसान द्वारा दी गई सूचना के बाद बीएसएफ जी ब्रांच और सीआईडी के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस के सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार सहित अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है व हवाई जहाज नुमा गुब्बारे को अपने कब्जे में लिया। इस घटना को लेकर चर्चा है कि यह गुब्बारा पाकिस्तान से सामान्य रूप से उड़ते हुए आया है या फिर यह किसी अन्य उद्देश्य से छोड़ा गया था। इससे पहले भी पाकिस्तानी गुब्बारा इस क्षेत्र में पाया गया था।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास स्थित गांव में एक बार फिर पाकिस्तानी गुब्बारा मिला।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा

फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइट : lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome

एफ 11/नीलामी/2025/2070 **ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर** दिनांक 3.2.25

प्राधिकरण द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से विनोबा भावे नगर योजना में स्कूल हेतु भूखण्ड संख्या-06 कॉर्नर को नीलाम किया जा रहा है। यह भूखण्ड प्राधिकरण की विकसित योजनाओं यथा गणेश नगर, आरोग्य नगर के मध्य एवं मेडिकल कॉलेज के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन का आरम्भ दिनांक 25.02.2025 प्रात: 11.00 बजे से हो रहा है एवं यह दिनांक 28.02.2025 को दोपहर 02.00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वत: बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्ते एवं अन्य जानकारी lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome एवं udhonline.rajasthan.gov.in/ कार्यालय समय में न्यास में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें।

ई-ऑक्शन के माध्यम से न्यास की विनोबा भावे नगर योजना में स्कूल हेतु भूखंड संख्या-06 कॉर्नर का (क्षेत्रफल 4309 वर्गमीटर)

प्रारम्भिक नीलामी दर-12000/-प्र.व.मी.
आरक्षित दर-7500/-प्र.व.मी.
धरोहर राशि-1034500/-

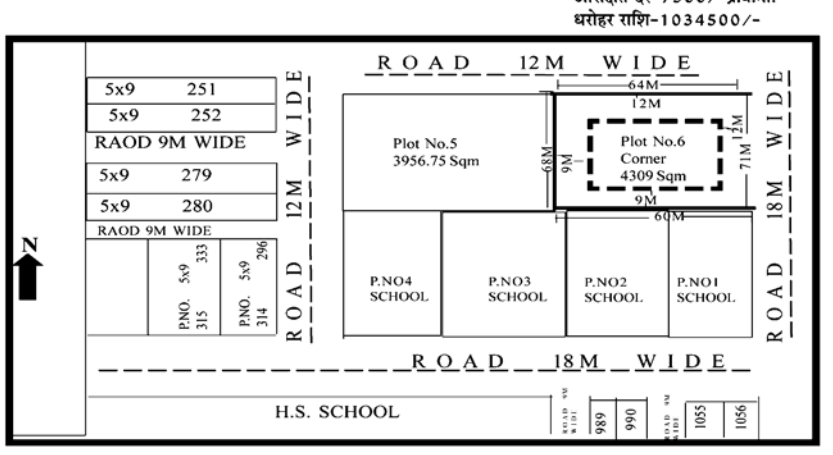

सचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा

फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइट : lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome

एफ 11/नीलामी/2025/2069 **ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर** दिनांक 3.2.25

प्राधिकरण द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से विनोबा भावे नगर योजना में स्कूल हेतु भूखण्ड संख्या-05 कॉर्नर को नीलाम किया जा रहा है। यह भूखण्ड प्राधिकरण की विकसित योजनाओं यथा गणेश नगर, आरोग्य नगर के मध्य एवं मेडिकल कॉलेज के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन का आरम्भ दिनांक 21.02.2025 प्रात: 11.00 बजे से हो रहा है एवं यह दिनांक 25.02.2025 को दोपहर 02.00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वत: बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्ते एवं अन्य जानकारी lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome एवं udhonline.rajasthan.gov.in/ कार्यालय समय में न्यास में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें।

ई-ऑक्शन के माध्यम से न्यास की विनोबा भावे नगर योजना में स्कूल हेतु भूखंड संख्या-05 कॉर्नर का (क्षेत्रफल 4309 वर्गमीटर)

प्रारम्भिक नीलामी दर-12000/-प्र.व.मी.
आरक्षित दर-7500/-प्र.व.मी.
धरोहर राशि-950000/-

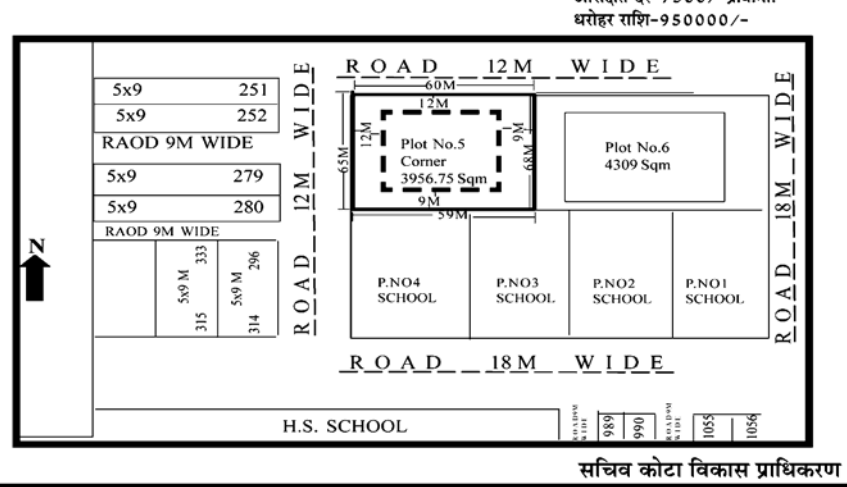

सचिव कोटा विकास प्राधिकरण

सरपंचों के हाथों में गांवों के विकास की बागडोर : भजनलाल शर्मा

बिना भेदभाव सभी विधानसभा क्षेत्रों के गांवों को दिया बजट : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गरीब, किसान और पशुपालकों को मजबूती देकर ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और चौधरी चरण सिंह के ग्रामोदय के स्वप्न को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का फोकस गांवों के बुनियादी ढांचे के विकास, किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने पर है।

- फार्मर आईडी के लिए 5 फरवरी से ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर लगेंगे शिविर

सरपंच संघ राजस्थान द्वारा आयोजित पंचायतीराज सशक्तीकरण एवं अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

शर्मा मंगलवार को सरपंच संघ राजस्थान द्वारा आयोजित पंचायतीराज सशक्तीकरण एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरपंचों के हाथों में गांवों के विकास की बागडोर होती है और समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के उद्धार में सरपंच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होता है। शर्मा ने कहा कि यदि उनकी इच्छाशक्ति मजबूत हो, दूरदृष्टि हो और लोगों का साथ हो तो गांवों का कायाकल्प किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि के रूप में सरपंचों के पास लोगो की सेवा का अवसर होता है और इसी सेवाभाव के साथ राजस्थान के प्रतिभाशाली और समर्पित सरपंच अपने गांवों को विकास की राह पर ले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सरपंच के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि आप लोगों को देखकर मेरा हृदय आज उसी भाव से भर उठा है, जब मैं स्वंय सरपंच था। उन्होंने कहा कि मैं गांव की मिट्टी में ही पला-बढ़ा हूं और उसी मिट्टी की सोंधी खुशबू और चुनौतियों के बीच जिया हूं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतीराज के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। हमने राज्य बजट में बिना भेदभाव राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के गांवों के लिए बजट का प्रावधान किया। पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के मानदेय में 1 अप्रेल, 2024 से 10 प्रतिशत वृद्धि की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 371 ग्राम पंचायत भवनों का कार्य पूर्ण करवाया गया है। ग्रामीण सड़क तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए 200 विधान सभा क्षेत्रों में 1 हजार करोड़ रुपये की लागत से मिसिंग लिंक और नॉन पेचेबल सड़कों के 1 हजार 631 कार्य प्रारंभ किए जाकर 530 किलोमीटर लम्बाई के 309 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में किसानों और पशुपालकों के लिए प्राथमिकता के साथ योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराना हमारी सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए पीएम-कुसुम योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है। किसान अपनी अनुपजाऊ भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा उत्पादक भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के साथ ही मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 2 हजार रुपये के अतिरिक्त अनुदान का लाभ भी किसानों को दे रही है। अब तक हम 1355 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को जमाबंदी, खसरा गिरदावरी और राजस्व रिकॉर्ड की प्रतियां ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा नामांतरण की प्रक्रिया को पेपरलेस किया गया है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना लागू की गई है। इसके तहत 24 हजार से अधिक गोपालक परिवारों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया गया है। पशुपालकों को नि:शुल्क पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए हेल्पलाइन कॉल सेंटर सेवा 1962 शुरू की गई है। 536 मोबाइल वाहनों द्वारा 30 लाख पशुओं का उपचार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने का काम भी हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कर रही है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में 72 हजार से अधिक कूपन जारी कर गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क सोनोग्राफी जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राजीविका परियोजना के तहत 4 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है तथा 48 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत प्रदेश में जरूरतमंद लोगों के अपने घर का सपना साकार हो रहा है।

शिक्षामंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक

जयपुर। शिक्षामंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में शिक्षा संकुल के सभागार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन व राज्य में शिक्षा के संरचनात्मक सुधार के लिए शिक्षा विभाग की ओर से चलाए जाने वाले मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के बिंदूओं सहित शिक्षा के क्षेत्र में समग्र विकास, आधुनिक शिक्षा पद्धित एवं आवश्यक सुधार के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने प्रारंभिक शिक्षा के सुढढीकरण एवं मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि अब तक 12 जिलों का स्थानीय शब्दकोश तैयार किया जा चुका है। अन्य जिलों का शब्दकोश भी जल्द तैयार कर लिया जाएगा।

उन्होंने आरएससीईआरटी में योग्य शिक्षाविदों की सहायता लेकर गुणवत्तापूर्ण कार्य व विद्यार्थी हितों से जुड़े कार्यों को चरणबद्ध रूप से संपादित करने की प्रतिबद्धता दिखाई। साथ ही शिक्षाविदों द्वारा साझा किए सुझावों पर विचार विमर्श करने और अमल में लाने का आश्वासन भी दिया। इससे पहले शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य एनईपी में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाना, राजकीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाना और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। अभियान के तहत एनईपी 2020 के 202 टास्क में से 185 टास्क शामिल होंगे, जिन्हें चार बिंदूओं में संपादित किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने देखी जयपुर फुट की निर्माण विधि

मुख्य सचिव सुधांश पन्त ने मंगलवार को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) का निरीक्षण किया और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव सुधांश पन्त ने मंगलवार को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) का निरीक्षण किया और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी। पन्त ने करीब दो घण्टे तक जयपुर फुट निर्माण से जुड़े कार्यो के बारे में जानकारी ली और और विभिन्न प्रान्तों से आए हुए दिव्यांगों से बातचीत की।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र मेहता और सचिव (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.एस. बिस्सा ने मुख्य सचिव सुधांश पन्त का स्वागत किया। डी.आर. मेहता ने पन्त को बताया कि अब तक देश-विदेशों के 22 लाख से अधिक दिव्यांगों को जयपुर फुट लगाकर लाभांवित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जयपुर फुट के पदचिन्ह 40 देशों में देखे जा सकते हैं, जहां 40 हजार से अधिक दिव्यांगों को लाभान्वित किया गया है। पन्त ने बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा संचालित फिजियोथैरेपी केन्द्र और उत्तर भारत के सबसे बड़े लकवाग्रस्त मरीजों को पुर्नवास के लिए हाल ही में स्थापित गणपत सरोज सिंघवी रोबोटिक रिहेबिलिटेशन केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

घनश्याम तिवाड़ी ने राज्यसभा में उठाया भांकरोटा सड़क दुर्घटना का मामला

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी ने मंगलवार को सदन में दिल्ली-अजमेर बायपास पर गैस से भरे ट्रक और बस की दुर्घटना के बाद हुए भीषण हादसे के मामले को उठाया। घनश्याम तिवाडी ने कहा कि जयपुर अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर के ब्लास्ट के कारण काफ़ी संख्या में जान माल की हानि हुई। इस घटना में कई निर्दोषों की जान गयी। इस हादसे में 4 लोग तो मौके पर ही जिंदा जल गए थे। 8 लोगों ने उसी दिन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसा इतना भीषण था कि 5 शवों की पहचान डीएनए सैंपल से की गई।

घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि एलपीजी टैंकर के नोजल फटने से गैस करीब 500 मीटर एरिया तक फैल गई। गाड़ियारें में स्पार्क और अलग-अलग कारणों से वहां मौजूद 40 से ज्यादा गाड़ियां उसकी चपेट में आ गई थी। टैंकर के ठीक पीछे चल रही एक स्लीपर बस और हाईवे किनारे मौजूद पाइप फैक्ट्री भी जल गई थी। गैस टैंकर के फटने से न केवल मानव जीवन पर संकट आया, बल्कि आसपास के इलाके में स्थित संपत्ति को भी भारी नुकसान हुआ।

राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने पूरे सदन का ध्यान विषय पर दिलाते कहा कि इस प्रकार की घटना से ना केवल सामाजिक स्थिति पर अपितु सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं का मुख्यत: कारण होता है ट्रैफ़िक को सुचारु रूप से क्रियान्वयन नहीं किया जाना। जिस स्थान पर यह घटना हुई वहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर दूसरी तरफ़ जाने के लिए यू टर्न था वहां गैस टैंकर के यू-टर्न के दौरान दूसरे अनियंत्रित वाहन के कारण हादसा हुआ। तिवाड़ी ने समस्या का समाधान बताते हुए कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर ऐसे स्थानों का चयन करते हुए इन यू टर्न को बंद कराए तथा वैकल्पिक रास्तों का निर्माण हो ताकि ऐसी दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। साथ ही ऐसे पदार्थ जो ज्वलनशील एवं अति - ज्वलनशील की श्रेणी में आते हैं, इनके ट्रांसपोर्टेशन के लिए उचित प्रबंधन तथा संभावित खतरों और उनकी रोकथाम के बारे में इससे जुड़े कर्मचारियों/व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जाए।

समरावता उपद्रव प्रकरण में 11 को पेश होगा आरोप पत्र

जयपुर, 4 फरवरी। देवली-उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के एसडीएम से मारपीट के बाद समरावता में हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने मंगलवार को हाईकोर्ट में कहा कि उन्होंने अनुसंधान पूरा कर लिया है। वहीं इस मामले में 11 फरवरी को संबंधित कोर्ट में चालान पेश कर दिया जाएगा। राज्य सरकार का जवाब सुनने के बाद अदालत ने नरेश मीणा की जमानत याचिका पर सुनवाई 12 फरवरी तक टाल दी। जस्टिस प्रवीर भटनागर ने यह आदेश नरेश मीणा की याचिका पर दिया।

गत सुनवाई पर अतिरिक्त महाधिवक्ता की ओर से अदालत को घटना का वीडियो दिखाया था। इस पर अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि घटना का जिम्मेदार नरेश मीणा है। वहीं याचिकाकर्ता का कहना है कि वह घटना के समय पुलिस अभिरक्षा में था। ऐसे में वह भीड को उपद्रव के लिए कैसे भडका सकता है। इस मामले में 18 आरोपियों की टोंक के सेशन कोर्ट से और करीब 40 आरोपियों की हाईकोर्ट से जमानत हो चुकी है। गौरतलब है कि देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उप चुनाव के दौरान निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने एसडीएम से मारपीट की थी। इसके बाद उसके समर्थकों ने उपद्रव फैलाया था। घटना को लेकर पुलिस ने नरेश मीणा के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए थे।

108 साधकों ने किया ''सूर्य नमस्कार''

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि ''सूर्य नमस्कार'' भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा है। यह स्वास्थ्य के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार मन व शरीर दोनों को तंदुरुस्त रखता है। बागडे मंगलवार को क्रीडा भारती संगठन द्वारा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में सूर्य सप्तमी पर आयोजित सामूहिक ''सूर्य नमस्कार'' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में 108 साधकों ने एक साथ ''सूर्य नमस्कार'' से जुड़ी योग क्रियाएं की।राज्यपाल ने कहा कि योग की भारतीय परंपरा सूर्य नमस्कार से ही प्रारंभ होती है।

- 'भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा ''सूर्य नमस्कार'' स्वास्थ्य के लिए वरदान'

राज्यपाल ने सूर्य सप्तमी पर आयोजित ''सूर्य नमस्कार'' कार्यक्रम को संबोधित किया।

यह योग के आगे के आसनों के लिए हमें तैयार करता है। उन्होंने कहा कि ''सूर्य नमस्कार'' मनुष्य के भीतर की ऊर्जा का संधान कर तन और मन को स्वस्थ करता है। राज्यपाल ने प्रतिदिन हर व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देते समय देने और ''सूर्य नमस्कार'' करने का आव्हान किया। उन्होंने क्रीडा भारती को देश की महत्वपूर्ण संगठन बताते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ी इसकी गतिविधियां अनुकरणीय है।इस अवसर पर राज्यपाल बागडे ने क्रीडा भारती की स्मारिका ''खेल सृष्टि'' का भी लोकार्पण किया।

'राजस्थान में रेल अवसंरचना के लिए 9960 करोड़ रु. बजट आवंटित कराया'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का राजस्थान में रेल अवसंरचना के समग्र विकास के लिए वर्ष 2025-26 में 9960 करोड़ रूपए आवंटित करने पर आभार व्यक्त किया। राठौड़ ने कहा कि रेल बजट में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और इन्फ्रास्ट्रेक्चर के विस्तार के साथ आधुनिकीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। इससे यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

- सांसद मदन राठौड़ ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने के लिए केंद्र के साथ राज्य सरकार प्रदेश की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में रेल बजट में राजस्थान को आवंटित राशि से इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। 2009 से 2014 की तत्कालीन कांग्रेस सरकार की तुलना में राजस्थान को 14.5 गुणा बजट आवंटित किया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास की नीति के आधार पर रेलवे में कार्य किया जा रहा है। रेलवे के इन्फ्रास्ट्रेक्चर को मजबूत करने की दिशा में रेल मंत्री ने विशेष फोकस किया है। राजस्थान के 85 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के तहत विकसित किया जा रहा है। जबकि सुरक्षा के लिहाज से 10 हजार लोको मोटिव्स में कवच सिस्टम लगाया जा रहा है।

कार्यकाल पूरा होने के बाद 6759 सरपंचों को प्रशासक किस प्रावधान में लगाया ?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की 6759 पंचायतों के चुनाव स्थगित कर निवर्तमान सरपंचों को ही प्रशासक नियुक्त करने के मामले में राज्य सरकार से दो सप्ताह में बताने को कहा है कि पंचायतों का चुनाव कार्यक्रम क्या है और वे कब चुनाव कराएंगे। अदालत ने यह भी पूछा है कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने के बाद उनमें सरपंचों को प्रशासक लगाने के क्या प्रावधान हैं। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रशासक केवल अस्थाई व्यवस्था और कम समय के लिए ही लगाए जा सकते हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा व अजय पूनिया ने कहा कि राज्य के ग्रामीण विकास व पंचायत राज विभाग ने 16 जनवरी 2025 की नोटिफिकेशन के जारी कर संविधान व पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए पंचायतों को भंग किए बिना ही निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगा दिया है। ऐसा करना संविधान के अनुच्छेद 243 ई व 243 के और राजस्थान पंचायत राज एक्ट की धारा 17 व 94 की अवहेलना है। लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई ग्राम पंचायतों में उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद आम चुनाव नहीं कराना गलत है। इसके अलावा नोटिफिकेशन में ना तो चुनाव कराए जाने की कोई सीमा तय है और ना प्रशासकों के कार्यकाल की ही कोई तिथि तय की है। जबकि संवैधानिक प्रावधानों में ना तो पंचायतों का कार्यकाल बढाया जा सकता है और ना ही उनमें प्रशासक लगाए जा सकते हैं। वहीं महाधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने पंचायत राज एक्ट की धारा 95 के तहत ही सरपंचों को प्रशासक लगाया है। इसके साथ ही महाधिवक्ता ने विस्तृत जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने उन्हें दो सप्ताह का समय देते हुए इस संबंध में जानकारी देने को कहा है।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में राज्य सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा
- अदालत ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि, प्रदेश में पंचायतों के चुनाव कब कराए जाएंगे और उसका कार्यक्रम क्या है?

दुकान में दो बार चोरी की वारदात

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में एक दुकान में चोर ने तीन दिन में दो बार चोरी की वारदात कर डाली। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार सिंधी कॉलोनी निवासी शंकर लाल ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी दुकान बर्फखाना के पास है। 20 जनवरी की शाम करीब साढे चार बजे एक युवक आया और उसकी दुकान में घुसकर गल्ला तोडकर 25 से 30 हजार रुपए ले गया। यह पूरी घटना दुकान के बाहर व अंदर लगे सीसीटीवी कैमरें में कैद हो गई। 23 जनवरी की रात करीब पौने बारह बजे चोर एक बार फिर दुकान का गेट तोडकर अंदर घुसा और दुकान से 20 हजार रुपए और एलईडी टीवी सहित अन्य सामान ले गया। लगातार हो रही घटना से परेशान होकर पीडितथाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश में जुट गई है।

जलग्रहण यात्रा का शुभारम्भ 5 फरवरी से

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा जलग्रहण विकास के लिये प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत वाटरशेड यात्रा का राज्य स्तरीय कार्यक्रम बारां जिले की पंचायत समिति, किशनगंज की ग्राम पंचायत किशनगंज में 5 फरवरी को प्रात: 11 बजे से प्रारम्भ होगा। मो. जुनैद पीपी, निदेशक, जलग्रहण विकास एवं मृदा संरक्षण ने बताया किजलग्रहण यात्रा के आयोजन का उद्देश्य जलग्रहण गतिविधियों की जानकारी जन-जन को देना, इससे होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराना तथा परियोजना से जुडाव सुनिश्चित करना है। यह यात्रा राज्य में दो रथों द्वारा पृथक-पृथक मार्गों से 27 जिलों की 107 परियोजना अन्तर्गत 214 ग्राम पंचायतों से होकर गुजरेगी तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी।

निदेशक ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्थानीय जन प्रतिनिधिगण भाग लेंगे एवं केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली का कार्यक्रम लाईव प्रसारित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि शुभारम्भ समारोह में अनेकानेक गतिविधियां सम्पादित की जावेगी, जिनमें नवीन कार्य का भूमि पूजन, श्रमदान, वानिकी एवं उद्यानिकी पौधों का वृक्षारोपण, पूर्ण कार्यों का लोकार्पण, जलग्रहण गीत, जल शपथ, कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिये विभूतियों का सम्मान, प्रदर्शनी, जलग्रहण गैलेरी इत्यादि सम्मिलित है।

उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2021-22 से मार्च 2026 तक के लिये राज्य में कुल 149 परियोजनाएं 7.50 लाख हैक्टेयर हेतु स्वीकृत की गई है, जिनकी लागत 1858.55 करोड़ रुपये है। मो. जुनेद ने बताया कि इस परियोजना में प्रदेश की कुल 30 जिलों की 148 पंचायत समितियों की 785 ग्राम पंचायतों की 985 गांवों को शामिल किया गया है। परियोजना अन्तर्गत केन्द्रीय एवं राज्य का अंशदान 60:40 है। इस परियोजना के अन्तर्गत प्राकृतिक संस्थानों जैसे जल, जंगल, जमीन, जानवर एवं जन का समन्वित रूप से संरक्षण और विकास एक आवश्यक घटक है।

जयपुर जिले में आज होगा किसान रजिस्ट्री शिविरों का आगाज

हर किसान को मिलेगी 11 अंकों की एक विशिष्ट पहचान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में 5 फरवरी से जयपुर जिले की ग्राम पंचायतों में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन होगा। शिविरों के सफल आयोजन के लिए कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला स्तरीय हेल्प डेस्क का गठन किया गया है। अपनी ग्राम पंचायत में शिविर के आयोजन सहित अन्य जानकारियां हासिल करने के लिए आमजन एवं किसान दूरभाष नंबर 0141-2209905, 0141-2209906 पर संपर्क कर सकते हैं।

बुधवार 5 फरवरी को जयपुर जिले के मौजमाबाद के मोखमपुरा, किशनगढ़-रेनवाल के लुनियावास, जयपुर के सुमेल, जोबनेर के ढाणी नागान, आमेर के लबाना, सांगानेर के गोनेर, फुलेरा-सांभरलेक के हबसपुरा, जमवारामगढ़ के भानपुरा कलां, बस्सी के कानोता, कालवाड़ के बेगस, चौमूं के नांगल कलां, शाहपुरा के नायन, तुंगा के माधोगढ़, माधोराजपुरा के ढाबिच, फागी के लदाना, चाकसू के टुटोली, दूदू के सुनाडिया सहित कोटखावदा और आंधी ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन होगा।

कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जयपुर जिले में किसान रजिस्ट्री शिविरों के सफल आयोजन एवं जिले के समस्त किसानों का एग्रीस्टैक पर रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने शिविरों के व्यापक प्रचार प्रसार के भी निर्देश दिये हैं ताकि जिले के प्रत्येक किसान को ना केवल शिविरों के आयोजन की जानकारी हो बल्कि शिविरों में किसान फार्मर आईडी बनाने के साथ-साथ अन्य विभागीय योजनाओं से लाभांवित हों सकें। एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जयपुर में किसान रजिस्ट्री अभियान का आयोजन ग्राम स्तर पर 5 फरवरी से 31 मार्च तक किया जायेगा। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में किसानों की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जायेगी। शिविरों का आयोजन प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जाएगा।

- 31 मार्च तक जयपुर की ग्राम पंचायतों में लगाए जाएंगे शिविर

शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशुपालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभांवित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जायेगी। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर की जरूरत होगी।

भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच करने, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी।

सौभाग्य योजना से 2.86 करोड़ घर रोशन किए : मदन राठौड़

जयपुर। केन्द्र सरकार की ओर से हर घर तक बिजली पहुंचाने के लिए शुरू की गई ''सौभाग्य योजना'' के तहत अब तक 2.86 करोड घरों को बिजली से रोशन किया गया है। इसके साथ ही दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना के माध्यम से देशभर में 18 हजार 374 गांवो तक बिजली पहुंचाई गई है। यह जानकारी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की ओर से राज्यसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न के जवाब में दी गई है।

- वर्ष 2024 में देशभर में औसतन 21 से 23 घंटे हुई बिजली आपूर्ति : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि केन्द्र सरकार देश को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही हर घर को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने की दिशा में काम कर रही है। इसके चलते वर्ष 2024 में देशभर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में औसतन बिजली सप्लाई भी 21.9 से 23.4 घंटे रही है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि 2014 जब उन्होंने पीएम की कुर्सी संभाली थी तो देश में कुल बिजली उत्पादन 230 गीगावाट था जो अब बढकर 462 गीगावाट हो गया है। जिससे देश बिजली की कमी से मुक्त होकर पर्याप्त उपलब्धता की ओर अग्रसर हो रहा है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि केन्द्र सरकार के दूरगामी निर्णयों के चलते आने वाले वर्षो में भारत बिजली उत्पादन में विश्व में अग्रणी स्थान पर होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू हो गई है। वर्ष 2032 तक देश में तापीय बिजली के उत्पादन में 80 हजार मेगावाट की बढोतरी हो जाएगी। जिसके तहत वर्ष 2023-24 में 19 हजार 200 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए अनुबंध दे दिए गए है। वहीं जलविद्युत उत्पादन में वर्ष 2032 तक 50 हजार 760 मेगावाट की बढोतरी होगी। इसके अलावा नवीकरणीय उर्जा के उत्पादन पर भी जोर दिया जा रहा है जो भविष्य के लिए क्रांतिकारी कदम साबित होगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि बिजली उत्पादन के साथ ही ग्रिड से राज्य और गांवो में दूर दराज तक बिजली लाइनें डालने के कार्य में भी तेजी आई है। ऐसे में राष्ट्रीय विद्युत योजना के अनुसार वर्ष 2032 तक एक लाख 91 हजार 474 सीकेएम पारेषण लाइनें और 1274 जीवीए ट्रांसफार्मेशन क्षमता का विस्तार किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के इन प्रयासों से देश और राज्य उर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होता जा रहा है।

सार-समाचार

आई.ए.एस. रवि कुमार ने कार्य संभाला

बाड़मेर, (कासं)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रवि कुमार ने बाड़मेर जिला परिषद में मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभाला। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि उनकी प्राथमिकता राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी क्रियान्विति एवं जरूरतमंदों को लाभांवित करवाना रहेगी। शुरूआती तौर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की योजनाओं एवं क्रियाकलाप की जानकारी लेने के साथ फील्ड विजिट को प्राथमिकता दी जाएगी। उनका प्रयास रहेगा कि विकास कार्यों की स्वीकृति समय पर जारी होने के साथ निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण हो जाए। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के कार्मिकों के साथ टीम वर्क के माध्यम से कार्य करते हुए बेहतरीन परिणाम देने का प्रयास किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभालने के उपरांत आईएएस रवि कुमार ने जिला परिषद कार्मिकों से उनकी ओर उनकी ओर से संपादित किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इससे पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2021 बैच के अधिकारी कुमार ने निवर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी से पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे भरतपुर में उपखंड अधिकारी भरतपुर एवं नागौर में सहायक कलक्टर के पद पर सेवाएं दे चुके है।

छात्रावास में देवनारायण जयंती मनाई

जालोर, (कासं)। राजकीय देवनारायण आदर्श बालिका छात्रावास जालोर में समर्पण सेवा संस्थान की ओर से भगवान देवनारायण जयंती समारोह का आयोजन बडे धुम धाम के साथ में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री डॉ. मंजु मेघवाल ने भगवान देवनारायण जयंती के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ मंजु मेघवाल ने बताया कि देवनारायण राजस्थान के लोक देवता, शासक ओर महान योद्धा थे। इनकी पुजा मुख्यत राजस्थान, हरियाणा तथा मध्य प्रदेश में होती है। इनका भव्य मंदिर आसींद में है। गुर्जर समाज में देवनारायण को भगवान की मान्यता है। पौराणिक मान्यता के मुताबिक देवनारायण का जन्म राजस्थान के भीलवाडा जिले में आसींद विधानसभा क्षेत्र के मालासेरी गांव में राजा सवाई भोज पिता ओर साढु खटाणी माता के घर हुआ था।उनका जन्म विक्रम संवत 968 में माघ महीने की शुक्ला सप्तमी की तिथि को हुआ था। संस्थान अध्यक्ष उर्मिला दर्जी ने छात्राओं को भगवान देवनारायण जी द्वारा लोक कल्याण के लिए किये गये कार्यों के बारे में विस्तृत बताया तथा भगवान देवनारायण के पदचिन्हों पर चलकर आगे बढने के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ, मंजु मेघवाल भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री, संस्था अध्यक्ष उर्मिला दर्जी, गटु देवी, शिल्पा, भावना, खुशबू, माया, लीला, मनिषा, पुष्पा सहित कई छात्राएं उपस्थित रहीं।

पाली में कार पलटी, दो दोस्त घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में दोस्त का जन्मदिन मनाने जा रहे एक दोस्तों की कार बीच रास्ते असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में दो युवक घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल भर्ती करवाया गया। कोतवाली पुलिस के अनुसार सोमवार रात करीब पौने 11 बजे पाली शहर के सुमेरपुर रोड पर कार पलटने की सूचना पर मौके पर पहुंचे। जहां सड़क किनारे कार पलटी नजर आई। दो युवक हादसे में घायल हो गए। जिनकी पहचान पाली के राजेंद्र नगर निवासी 23 साल के योगेंद्रसिंह पुत्र नारायण सिंह और मणी नगर निवासी 22 साल के गौर पुत्र विजय कुमार के रूप में हुई। जिन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल एम्बूलेंस 108 के टीएमटी श्रवण प्रजापत, पायलट महेंद्र चौधरी के साथ तुरंत बांगड़ हॉस्पिटल भेजा। जहां दोनों का उपचार शुरू करवाया गया। दोनों युवकों की हालत खतरे से बाहर है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोस्त का जन्मदिन होने के चलते दोनों कार से हाइवे की तरफ जा रहे थे। इस दौरान सुमेरपुर रोड पर शोरूम के पास इनकी कार असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गई। जिससे दोनों घायल हो गए ओर कार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

शराब की दुकानें दो घंटे के लिए बंद रखी

जोधपुर, (कासं) । प्रदेश में हाल ही में शराब नीति में बदले गए कई नियमों के विरोध में उतरी लिकर कॉन्ट्रेक्टर यूनियन के आ ान पर मंगलवार को जोधपुर जिले की 377 दुकानें दो घंटे के लिए बंद रखी गई। जोधपुर शराब यूनियन के अध्यक्ष तेजाराम चौधरी ने बताया कि नई आबकारी नीति के विरोध में प्रदेश यूनियन के आ ान पर जोधपुर शहर की 166 और ठामीण क्षेत्र की 211 शराब दुकानों सहित कुल 377 दुकानें सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक पूर्णतया बंद रखी गई। चौधरी के अनुसार प्रदेश यूनियन की मांग है कि शराब दुकानों का समय पड़ोसी राज्यों की तर्ज पर रात 11 बजे तक किया जाए, क्योंकि राजस्थान में वर्तमान में भी बीयर बार रात 11 बजे तक चलते हैं, जहां शराब बेची जा रही है, तो सिर्फ दुकानों पर ही 8 बजे की पाबंदी क्यों रखी जा रही है। इसी तरह, शहर और ठामीण इलाकों में आए दिन पुलिस द्वारा किए जा रहे हस्तक्षेप को भी पूरी तरह बंद करने के लिए सरकार गाइडलाइन जारी करे। वहीं नई शराब नीति के तहत दुकानों का समूह बनाया जा रहा है, जो छोटे दुकानदारों के लिए घातक साबित होगा। इसे खत्म कर दुकानों को वर्तमान गारंटी के अनुसार ही नवीनीकृत किया जाए। चौधरी ने बताया कि पिछले 20 साल में शराब दुकानों का कमिशन नाममात्र का ही बढ़ाया गया है, इसे तर्कसंगत करना चाहिए और पुरानी पेनल्टी को समाप्त किया जाए।

पाली में अवैध शराब के साथ 3 गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। पाली में पुलिस ने अवैध शराब के साथ 3 युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से कार और करीब 80 हजार की अंठोजी शराब जब्त की। एसपी चूनाराम जाट ने बताया कि बताया कि सोमवार दोपहर बाद मुखबिर की सूचना पर एन.एच. 162 पर टीपी नगर थाने के एएसआई ओमप्रकाश चौधरी, कॉन्स्टेबल जस्साराम, रामनिवास, विजय, ओमाराम ने नाकाबंदी की। इस दौरान संदिग्ध कार आने पर उसे रुकवाया। तलाशी में कार में बनाए गए एक गुप्त बॉक्स में छुपाई गई हरियाणा निर्मित शराब की 79 बोतल मिली। जिसकी बाजार कीमत करीब 80 हजार रुपए थी। अवैध रूप से शराब परिवहन कर गुजरात ले जाने के मामले में 46 साल के प्रशांत चौहान पुत्र हर्षद भाई कड़िया निवासी कैलाश पार्क 13 नियर नटराज नगर यूनिवर्सिटी रोड राजकोट, 38 साल के भावाभाई पुत्र शालू भाई रेबारी निवासी अंबा पानी इकबालगढ़ जिला बनासकांठा और 22 साल के नरेश पुत्र भावेश भाई रेबारी निवासी डूंगरपुर जिला बनासकांठा गुजरात को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध शराब और कार जब्त की।

'शिक्षा के साथ सूर्य नमस्कार, योग जरूरी'

धौरीमन्ना, (कासं)। धोरीमन्ना क्षेत्र में सूर्य सप्तमी के अवसर पर मंगलवार को स्थानीय विद्यालय राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मूंढसर में शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था प्रधान जगदीश दर्जी ने बताया कि सूर्यनमस्कार करने से शरीर स्वस्थ और क्रियाशील रहता है और विद्यार्थी जीवन में योग विद्यार्थी को निरोग और तंदुरुस्त बनाने में सहायता करते हैं। विद्यालय में कार्यरत अन्य सभी स्टांप साथी कुमारी मोहिनी, चंद्रा देवासी अमरचंद और बच्चों के अभिभावक गिरधारीराम मूंढ, भंवरा राम, रायचंद, पारू देवी, मोहिनी, पत्नी देवी,आंगनबाडी कार्यकर्ता मोहनी, सहित विद्यालय के छात्रों ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन कुमारी मोहिनी ने किया।

931.800 किलो डोडा चूरा जब्त किया

जोधपुर, (कासं) । केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने जोधपुर में अवैध मादक पदार्थ तस्करी को लेकर बड़ी कार्रवाई की गई है। टीम ने 931.800 किलोग्राम डोडा चूरा जब्त किया है। टीम ने यह कार्रवाई लूणी उनियारा रोड पर स्थित गांव फींच में की है। कार्रवाई को केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कोटा की टीम ने आईआरएस नरेश बुंदेल के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। सीबीएन चितौड़गढ़ यूनिट को अवैध मादक पदार्थ तस्करी को लेकर सूचना मिली थी। इस पर टीम ने 47 बोरों में भर 931.800 किलोग्राम डोडा चूरा को मामा जी महाराज के थान से जब्त किया। इसमें स्थानीय थाना पुलिस का भी सहयोग रहा। फिलहाल एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

अधेड़ ने फंदा लगाकर दी जान

जोधपुर, (कासं) । शहर के निकट विनायकपुरा भवाद गांव में रहने वाले एक अधेड़ ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। करवड़ पुलिस ने बताया कि विनायकपुरा भवाद गांव में रहने वाले 56 साल के रतनाराम विश्नोई ने अपने घर में फंदा लगा लिया। परिजन को पता लगने पर उन्हें फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर गए। मगर डॉक्टर ने उन्हें मृत बता दिया। पुत्र महिपाल विश्नोई ने मर्ग में रिपोर्ट दी है।

नेशनल बॉक्सिंग में कांस्य पदक विजता आर्यन का सम्मान किया

जालोर, (कासं)। जिले के होनहार खिलाड़ी आर्यन सुपुत्र जितेंद्र ढाग ने राष्ट्रीय स्तर की मुक्केबाजी (बॉक्सिंग) प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता और जिले का मान बढाया। उनकी इस उपलब्धि पर जालोर जिला स्टेडियम में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जहां जिलेभर के गणमान्य नागरिकों, खेल प्रेमियों और अभिभावकों ने उन्हें सम्मानित किया।

इस दौरान आर्यन को कुश्ती (ग्रैपलिंग) में भी कांस्य पदक जीतने पर विशेष रूप से सराहा गया। उनके संघर्ष, मेहनत और लगन को देखते हुए खेल जगत के विशेषज्ञों ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वही खिलाडियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में स्टेडियम से लेकर शहर के विभिन्न मार्गों पर भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें सैकडों खेल प्रेमी और नागरिक शामिल हुए। खिलाडियों की इस कामयाबी पर पूरे जिले में खुशी की लहर दौड गईइस विशेष आयोजन में एसपी ज्ञानचंद्र यादव, एडीओ नरेंद्र परमार, ग्रेपलिंग एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विक्रमसिंह टेकरा, उद्यमी तरुण अग्रवाल, अनिल शर्मा, सीए विनोद राठौड, (माता) अध्यापिका सीता ओड, हंसराज ओड, संतोष ओड, जनप्रतिनिधि सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर जालोर पहुंचे आर्यन का स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

सभी ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें खेल के क्षेत्र में और ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान कोच प्रीतमसिंह राठौड ने खिलाडियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की जानकारी दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि जालोर के युवा खिलाडी लगातार मेहनत कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं, जो पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। इस सम्मान समारोह ने जिले में खेलों के प्रति जागरूकता और खिलाडियों के हौसले को और अधिक मजबूत किया है।

कोयम्बटूर-भगत की कोठी स्पेशल रेल सेवा बंद होने से प्रवासियों में रोष

जालोर, (कास)। समदडी भीलडी रेलखंड पर पिछले कई सालों से गाडियों के विस्तार व नई गाड़ियों का संचालन नही होने से प्रवासियों में रोष व्याप्त है।

प्रवासियों सहित स्थानीय लोगों ने कहा कि जालोर के जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैया के चलते यहां रेल सेवा का विस्तार नहीं हो रहा है। जालोर से दक्षिण भारत व देश व प्रदेश की राजधानी से जुडाव नहीं है, जिससें यहां के लोग निजी बसों में सफर करने को मजबूर है। पिछले बीस सालों से केन्द्र में भाजपा की सरकार है। जालोर सांसद भी भाजपा पार्टी का होने बावजूद भी एक भी ट्रेन नहीं चलने से लोगों का गुस्सा दिनों दिन बढता जा रहा है।

समदडी-भीलडी रेल खंड पर कोयम्बटूर-भगत की कोठी 6181/6182 स्पेशल रेल सेवा के संचालन से बडी संख्या में प्रवासी यात्री लाभान्वित हो रहे थे, रेलवे द्वारा उक्त रेल सेवा के फेरों में लगातार बढोतरी कर यात्रियों को सुविधा दी जा रही थी। इस रेल सेवा के फेरों में वृद्धि नही होने से लोगों ने पिछले कई दिनों से हजारों ट्वीट मैसेज कॉल व पत्र लिखकर रेलमंत्री व सांसद लुंबाराम चौधरी को भेजे थे, लेकिन अभी तक इस ट्रेन का संचालन नही होने से लोगों मे रोष है

सांसद लुम्बाराम चौधरी ने प्रवासियों को आश्वासन दिया था कि यह ट्रेन नम्बर 6181/82 कोईम्बटुर भगत की कोठी स्पेशल नियमित रूप से संचालित होगी और जनता ने विश्वास किया और आखिर में 9 महीने बाद बंद हो गई। इस ट्रेन में यात्री भार भी वातानुकूलित कोच होने के बावजूद भी बहुत अच्छा था लेकिन ट्रेन आखिरी बंद हो गई। सांसद लुंबाराम चौधरी ने पिछले दिनो दिल्ली में केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर जालार लोकसभा क्षेत्र के लिए कई मांगे रखी थी लेकिन कोई सकारात्मक कार्यवाही नही होने से लोगो को सांसद के प्रति भी गुस्सा देखा जा रहा है

संसदीय क्षेत्र स्थित सिरोही जिला केन्द्र आजादी के 76 वर्षो के बाद भी रेलवे नेटवर्क से नहीं जुड पाया है। सिरोहीवासियो को आज तक रेलवे नेटवर्क से जुडने का इंतजार है। सिरोही की जनता को ट्रेन के लिए 30 कि.मी. दूर पिंडवाडा स्टेशन अथवा राजधानी तथा सुपर फास्ट ट्रेन पकडने के आबूरोड 75 किमी दूर जाना पडता है।

प्रबोधक संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया

जालोर ब्लॉक प्रबोधक संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ जिला शाखा जालोर के प्रबोधकों ने बुधवार को मुनेश कुमार मीना जिला शिक्षा अधिकारी मुनेश कुमार मीना प्रारंभिक शिक्षा मुख्यालय जालोर के पद भार ग्रहण करने पर शिष्टाचार भेट कर बहुमान किया।

वही प्रबोधकों ने बाबु सिंह का अतिरिक्त प्रशासनिक पद पर पदोन्नत होने पर माल्यार्पण कर बधाई दी गई।

प्रबोधकों ने वेतन विसंगति दूर करने कि वाजिब मांग को लेकर व्यापक चर्चा कर उक्त मांग का ज्ञापन दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने जल्द से जल्द शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों से विचार-विमर्श कर वेतन विसंगति दूर करने का आश्वासन दिया गया।

इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष पारस गर्ग, संगठन मंत्री,भंवरूखान पठान, भीखा राम (संरक्षक), ब्लॉक उपाध्यक्ष हरचंद देवासी,जैरूपा राम देवासी,रता राम परमार, रतनलाल मोक, देवा राम चौधरी सहित कई प्रबोधक साथी मौजूद रहे।

मंडलावत के नेतृत्व में धरना 7 को

जालोर, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जालोर आगामी 7 फरवरी को अपनी 11सूत्री मांगो को लेकर जिला कलेक्ट्रेट के आगे धरना प्रदर्शन करेगे।

जिला मंत्री कैलाश डऊकिया ने बताया कि 7 फरवरी को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जालौर के जिलाध्यक्ष गोविंदसिंह मंडलावत के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट पर अपनी वाजिब मांगो को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन किया जायेगा। डऊकिया ने बताया की केंद्र एवम् राज्य के करोडों कर्मचारी लंबे समय से एनपीएस का विरोध करते हुए ओपीएस लागू करवाने की मांग कर रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार ने एनपीएस की बडी बहन यूपीएसलागू करने की ठान रखी है, जो महासंघ सहित किसी भी कर्मचारी संगठन को स्वीकार नहीं हैं। इसलिए आंदोलन आवश्यक हो गया है।

दूसरी ओर खेमराज कमेटी को सार्वजनिक तो किया है। लेकिन आम कर्मचारी को निराशा हाथ लगी है जिससे कर्मचारी जगत उक्त खेमराज कमेटी का विरोध करते हैं।

दूसरी और सरकार संविदा प्रथा को लेकर आम कर्मचारी को धोखे में रख रही है। जिससे केंद्र और राज्य मे अधिकाश पद रिक्त पडे हैं।

विश्व कैंसर दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता संवाद आयोजित

सांचौर, (कासं)। भारतीय जैन संघटना सांचोर की ओर से मंगलवार को विश्व कैंसर दिवस पर स्वास्थ्य जागरुकता संवाद का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

प्रवक्ता गौतम बोथरा ने बताया की विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जैन संघटना सांचौर चैप्टर और लेडीज विंग के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य और कैंसर के प्रति जागरूकता बढाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञों, कैंसर विजेताओं और समाज के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।काय्क्रम का शुभारंभ श्रीपाल लुनिया द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करने के साथ हुआ। इसके बाद मुमुक्षु साक्षी सिंघवी और मुमुक्षु सेजल बोथरा द्वारा नवकार मंत्र एवं प्रभु वंदना के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।

सांचौर के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने स्वागत भाषण में स्वास्थ्य जागरूकता को समाज की प्राथमिकता बनाने पर जोर दिया। इसके पश्चात कैंसर विजेता परिवार से पियूष बोथरा ने अपनी प्रेरणादायक संघर्ष गाथा साझा की। कैंसर योद्धा नारायण लाल जी बोथरा को उनके साहस और जुझारूपन के लिए विशेष सम्मान से नवाजा गया।

इसी कडी में जसवंत जैन ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर अपने विचार रखे, जबकि मूलचंद छाजेड ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा से जुडे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मसरारम जी चौधरी ने कैंसर से बचाव, प्रारंभिक लक्षणों की पहचान और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में मुमुक्षु, विशिष्ट अतिथियों और कैंसर विजेताओं को उनके समाज के प्रति योगदान, स्वास्थ्य जागरूकता और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान खुले मंच सत्र में उपस्थित लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। मंच संचालन मूलचंद छाजेड और प्रकाश मालू द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। अंत में लेडीज विंग की अध्यक्षा मीना बोथरा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस आयोजन में विजय नाहटा, संजय मालू, राज बोहरा, नरेश मालू, नरेंद्र मालू, धीरज छाजेड़ , रमेश जैन, भंवर घोडा ,महावीर सिंघवी सहित दोनों शाखाओं के सदस्यों और समाज के लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

महासंघ के पोस्टर का विमोचन

जालोर, (कासं)। प्रदेश के आव्हान पर एक दिवसीय अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ का धरना जिला कलेक्टर कार्यालय के आगे जालोर 11सूत्री मांगो को लेकर दिया जायेगा।

धरने कार्यक्रम के संयोजक किशनलाल सारण ने बताया कि कर्मचारियों की वाजिब मांगो को सरकार अनदेखा कर रही है। खैमराज कमेटी को सार्वजनिक के बाद कर्मचारी वर्ग को भयकर निराशा हाथ लगी वेतन विसंगति तक का प्रकरण संज्ञान मे कमेटी ने नहीं लिया ,कर्मचारी चयनित वेतनमान पुरे सर्विस मे चार की माँग कर रहे थे 8,16,24 व 32 पर मिले उनका जिक्र भी नहीं किया गया। कर्मचारी योग्यता रखते हुए भी जब पदोन्नती नहीं पाता है। तब उसी पद पर रहते हुए एसीपी का हकदार होता है। आज सरकारी उपक्रम के खत्म किया जा रहा है। जहां स्कूलों को खोलने की जरूरत थी। वहां स्कूलों को बंद किया जा रहा है पदों की भर्तिया नहीं कर बिना भर्ती काम चलाना, संविदा पर नई नियुक्ति करना, पटवारी वर्ग की वाजिब मांग को अनदेखा करना, मंत्रालय कर्मचारियों के पुरे राजस्थान मे एक केडर होते हुए भी अलग अलग वेतनमान ए रही है सचिवालय कर्मचारियों के समान वेतन हो। प्रबोधको के 12900 की वेतन प्रकरण काफी लंबे समय से जस का तस है। कुक हेल्पर का वेतन न्यूनतम 18000 करना, आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ता का मानदेय, आदि लंबे समय की माँग को स्वीकार ना करने से आम कर्मचारी वर्ग मे रोष व्यापत है। जिसको लेकर आगामी 7 फरवरी को जालोर कलेक्टर के आगे विशाल धरना दिया जायेगा अधिकाधिक भागीदारी का आव्हान किया। पोस्टर विमोचन के समय प्रगतिशील ब्लॉक अध्यक्ष बाबूलाल कुराडा, सीबीईओ पूनमचंद विशनोई, भँवरलाल विश्नोई सरनाऊ, प्रधानाचार्य रामनिवास, मंगलाराम, संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष पूनमाराम मांजू, ब्लॉक अध्यक्ष पूनमाराम सरनाऊ, शंकर लाल डारा ब्लॉक मंत्री,ओमप्रकाश विशनोई, गणपत लाल सारण , कुंभाराम देवासी, भारमल कुराडा, पूनमचंद बलाना सहित बडी संख्या में कर्मचारी उपस्थिति रहे।

आगजनी से प्रभावित हुए परिवार को राहत सामग्री दी

जालोर के पास चुंडा गांव में शिव सेना कार्यकर्ताओं ने आगजनी की घटना के बाद पीड़ित परिवार को राहत सामग्री उपलब्ध करवाई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। शिव सेना यू.बी. टी. जालोर के जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित के निर्देशन में चुंडा गांव में उकनाथ जोगी के घर में आग लगने से घर का संपूर्ण सामान जलकर नष्ट होने पर शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने राहत सामग्री उपलब्ध करवाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चुंडा गांव में कुछ दिन पूर्व आग से उकनाथ जोगी के घर में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया।

शिव सेना जालोर की ओर से वर्तमान में सर्दी होने के कारण पीडित परिवार को सर्दी से बचाव के लिए तत्काल किराना समान, पलंग, बिस्तर, रजाई, स्वेटर, आटा, तेल व भोजन सहित अन्य पकाने की सामग्री पीडित परिवार को दी। मौके पर पटवारी को बुलाकर पीडित को सरकार की ओर से भी अधिक सहायता दिलवाने के लिए नुकसान का सर्वे करवाकर सहायता दिलवाने का आग्रह किया।

इस दौरान शिवसेना उपजिला प्रमुख नारायण सिंह राजपुरोहित, शिवसेना जिला सचिव योगी शेषनाथ, जालौर शहर प्रमुख मिश्रीमल परिहार सहित अन्य पदाधिकरी मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज का रक्तदान शिविर व भक्ति संध्या आयोजित

पाली,(नि.सं.)। वाल्मीकि समाज के धर्मगुरू महर्षि नवल स्वामी जी महाराज के 242 वी जयंती समारोह के उपलक्ष वाल्मीकि समाज के कई कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें पुराना बस स्टैंड से बैंड बाजा ढोल नगाड़ा के साथ भव्य रैली के रूप में मंडिया रोड तक पहुंच कर भक्ति संध्या का लाभ लिया।

बांगड़ हॉस्पिटल पाली में युवाओं द्वारा रक्तदान कर वाल्मीकि समाज के धर्मगुरु को पुष्पांजलि अर्पित की। मनीष जावा ने बताया कि मुख्य अतिथि नगर निगम के आयुक्त नवीन भारद्वाज जो स्वयं खुद अपना ब्लड देकर समाज को संदेश दिया। कार्यक्रम की समाज की गठित टीम ने सफल बनाया। रक्तदान के क्षेत्र में संयोजक लक्ष्मण ढंजा, मनोज आदिवाल, दिनेश अटवाल, कामलेश जावा, अनिल सरपटा, मनीष जावा, रैली के संयोजक नेमीचंद जावा, हरि, भजन आर्य, मीठालाल चावरिया, छगनलाल आदिवाल, अर्जुन चौहान, चिमन लाल जावा, लालचंद जावा, राकेश बारेशा, कालू राम चनाल, रविदास जावा, कैलाश घावरी, विनोद हंस, गणपत बारेश, कैलाश आदिवाल, राहुल घावरी, भक्ति संध्या संयोजक महाराज रमेश आदिवाल, द्वारका प्रसाद जावा, फकीरचंद आदिवाल, रमेश हंस, राजेंद्र घावरी, भारत आदिवाल, राजकुमार आदिवाल, राकेश कंडारा, नरपत कंडारा, मोंटू घावरी, वाल्मीकि समाज के कई लोग नवल गुरू महाराज के कार्यक्रम में मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री शिविर आज से

जोधपुर, (कासं) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों के हित एवं कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा गत 13 दिसंबर को अजमेर में आयोजित किसान सम्मेलन में एग्रीस्टैक योजना में फार्मर्स रजिस्ट्री प्रोजेक्ट अंतर्गत किसानों के फॉर्मर आईडी बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया था। कृषि विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जोधपुर जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर चरणबद्ध शिविरों से 5 फरवरी से फार्मर्स रजिस्ट्री शिविर लगाए जाएंगे। कृषि विभाग द्वारा संचालित एग्रीस्टेक योजनांतर्गत जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री शिविर लगाए जाएंगे। अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम के सम्पादन के लिए जिला स्तर पर अपर जिला कलक्टर एवं प्रभारी अधिकारी (भू.अ.) कार्यालय हाजा सुरेंद्र सिंह पुरोहित को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

उपखंड परिक्षेत्र में स्थित समस्त ग्राम पंचायतों में फॉर्मर्स रजिस्ट्री शिविरों के प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए सम्बन्धित उपखंड अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला कलक्टर अग्रवाल ने बताया कि 5 फरवरी से 7 फरवरी तक जोधपुर की ओसियां तहसील की ग्राम पंचायत पंडित जी की ढाणी, तहसील भोपालगढ़ की ग्राम पंचायत झालामलिया, तहसील कुड़ी भगतासनी की ग्राम पंचायत सांगरिया, तहसील तिंवरी की ग्राम पंचायत राजासनी, तहसील झंवर की ग्राम पंचायत बोरानाडा, तहसील लूणी की ग्राम पंचायत सर, तहसील बिलाड़ा की पिचियाक, तहसील पीपाड़ शहर की ग्राम पंचायत मलार, तहसील सेखाला की ग्राम पंचायत देड़ा, तहसील शेरगढ़ की ग्राम पंचायत रामगढ़, तहसील जोधपुर की ग्राम पंचायत बिसलपुर व ग्राम पंचायत महादेव नगर उन्देड़ा, तहसील चामू की ग्राम पंचायत देवानिया, तहसील बालेसर की ग्राम पंचायत बावरली, तहसील बावड़ी की ग्राम पंचायत खेड़ापा मे शिविर लगाये जाएंगे।

सुंधा माता मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आज से

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के भीनमाल रोड पर स्थित माली समाज सुन्देशा गौत्र की कुलदेवी सुंधामाता के नव निर्मित मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बुधवार को कलश यात्रा के साथ शुरू होंगे।

श्री सुन्धा माता मंदिर सुन्देशा माली सेवा समिति के अध्यक्ष हुकमीचंद सुन्देशा ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर बुधवार को सुबह 8 बजे शहर के कस्तुरबा कॉलोनी स्थित सब्जी मंडी से शोभायात्रा रवाना होगी। जो 15० से अधिक महिला व बालिकांए सर पर कलश धारण कर गाजे बाजे के साथ रवाना होकर हरिदेव जोशी सर्कल, अस्पताल चौराह, राजेन्द्र नगर, जागनाथ महादेव मंदिर के पास से मीरा दातार, तासखाना बावडी से होते हुए मंदिर तलहटी तक पहुंचेगी।

अध्यक्ष ने बताया कि शोभायात्रा में मनोहर रिया एंड पार्टी, महाराष्ट्र के नासिक ढोल मंडली के द्वारा आकर्षक प्रस्तुतिया दी जायेगी। इसके साथ ही हाथी, घोडे व रथों में मंदिर में स्थापित होने वाली मुर्तियों को लेकर भामाशाह परिवार शोभायात्रा में शामिल होगे। शोभायात्रा के बाद मंदिर परिसर में जीव मातृका पूजन, वरूण पूजन, नव कलश पूजन, गणपति पूजन का कार्यक्रम होगा। तथा शाम को 3 से 5 बजे तक रानीवाडा के ज्ञान आत्मानंद महाराज के द्वारा प्रवचन एवं सत्संग व रात 9 बजे से भजन गायक प्रकाश माली गोयली, हेमलता वैष्णव व पिकी गहलोत के द्वारा एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुतिया दी जायेगी।

अभिषेक ने ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ ताबडतोड बल्लेबाजी की, जो 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं।
- ब्रैंडन मैकुलम

इंग्लैंड के हेड कोच, अभिषेक का प्रदर्शन देखकर जमकर तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **केविन पीटरसन**

केविन पीटरसन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वरुण चक्रवर्ती को शामिल किए जाने को 'शानदार फैसला' करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि मेहमान टीम लंबे प्रारूप में दाएं हाथ के स्पिनर के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेगी। चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैच की श्रृंखला में 14 विकेट चटकाए और भारत की 4-1 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें गुरुवार से नागपुर में शुरू हो रही श्रृंखला के लिए भारत की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

वरुण चक्रवर्ती भारतीय टीम में शामिल

नागपुर 4 फरवरी। मेजबान भारत और इंग्लैड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मेहमान टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। वरुण भारतीय टीम के साथ नागपुर में है और उन्होंने आज वहां अभ्यास किया। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला एकदिवसीय मैच गुरुवार को खेला जायेगा। वरुण के टीम में शामिल होने को लेकर हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रविवार को समाप्त हुई टी-20 सीरीज में भारत की 4-1 की जीत में वरुण ने 9.86 की औसत और 7.66 की इकॉनमी से सबसे अधिक 14 विकेट झटके। वरुण ने अभी तक टीम इंडिया में अभी तक एकदिवसीय मैच नहीं खेला है अगर वरुण को एकादश में चुना जाता है तो यह इस प्रारूप में उनका पर्दापण होगा। उन्होंने केवल 23 ए लिस्टिड मुकाबले खेले हैं और इस सीजन के विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए छह मैचों में 18 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। एकदिवसीय टीम में उनकी मौजूदगी से भारतीय स्पिन-आक्रमण मजबूत होगा। टीम में पहले से ही कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर शामिल हैं। **भारत बनाम इंग्लैंड एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:-** रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जड़ेजा, हर्षित राणा (पहले दो वनडे), जसप्रीत बुमराह (तीसरा वनडे) और वरुण चक्रवर्ती।

टी20 विश्व कप में जैसे अफगानिस्तान की कप्तानी की थी, वैसे ही कप्तानी करना चाहता था : राशिद खान

गक्बेरहा, 4 फरवरी । एसए 20 के तीसरे सत्र में एमआई केपटाउन के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत कप्तान राशिद खान ने कहा कि वह उसी तरह से कप्तानी करना चाहते थे जैसी पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की थी। पिछले दो सत्र में खराब प्रदर्शन और प्लेआफ में जगह नहीं बना पाने के बाद एमआई केपटाउन एसए20 के तीसरे सत्र में नौ मैचों में छह जीत दर्ज करके तीस अंक के साथ शीर्ष पर है। राशिद की कप्तानी में पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की टीम ने सभी को चौंकाते हुए सुपर आठ चरण में आस्ट्रेलिया को हराया और फिर अंतिम चार में पहुंची थी। राशिद ने पार्ल रॉयल्स के खिलाफ पहले क्वालीफायर की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा ,'' मैं एमआई केपटाउन की कप्तानी उसी तरह से करना चाहता था जैसे विश्व कप में अफगानिस्तान के लिये की थी। कोच रॉबी पीटरसन ने भी मुझसे यही कहा। इस साल मैं खिलाड़ियों को बेहतर समझता था और उनके साथ काफी समय बिताया था जिससे मुझे पता था कि किस गेंदबाज का इस्तेमाल कब करना है।'' उन्होंने कहा ,'' सबसे अहम बात खिलाड़ियों सेस्पष्ट संवाद रखना था। उन्हें पता होना चाहिये कि कप्तान के दिमाग में क्या चल रहा है और मुझे पता होना चाहिये कि वे क्या सोच रहे हैं। पहले साल में इससे बेहतर कर सकता था लेकिन हम सब लगातार सीखते हैं।''

मोहम्मद शमी तोड़ सकते हैं मिचेल स्टार्क का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 4 फरवरी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 6 फरवरी से होगा। इस मुकाबले में मोहम्मद शमी का खेलना तय है, क्योंकि वे लंबे समय के बाद वापसी कर रहे हैं और वनडे टीम के एक अहम खिलाड़ी भी हैं। नागपुर में ये मुकाबला खेला जाएगा और इस मैच में शमी के निशाने पर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी होगा। ये मुश्किल काम है, लेकिन शमी ऐसा कर सकते हैं।दरअसल, वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम मैचों में 200 विकेट चटकाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पेसर मिचेल स्टार्क के नाम है। मिचेल स्टार ने 102 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी। हालांकि, मोहम्मद शमी इतने ही मैचों में लेकिन उनसे एक पारी कम में 200 वनडे विकेटों तक पहुंच सकते हैं। मोहम्मद शमी को 5 विकेट नागपुर में चटकाने होंगे। इसके बाद वे वर्ल्ड रिकॉर्ड बना देंगे। अगर मोहम्मद शमी नागपुर वनडे मैच में पंजा खोलने में सफल हो जाते हैं तो वे 101 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 200 विकेट निकालने वाले दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अगर वे अगले दो मैचों में भी पांच विकेट ले लेते हैं तो फिर मैचों के हिसाब से तो मिचेल स्टार्क से पिछड़ जाएंगे, लेकिन पारियों के हिाब से मिचेल स्टार्क की बराबरी कर लेंगे। शमी ने आखिरी वनडे मैच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल खेला था।

उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का समापन करेंगे अमित शाह

नैनीताल, 04 फरवरी। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों का समापन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। शाह हल्द्वानी में होने वाले समापन समारोह में शामिल होंगे। उत्तराखंड में इन दिनों पहली बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 28 जनवरी को राजधानी देहरादून में इन खेलों का भव्य शुभारंभ किया। आगामी 14 फ़रवरी को इन खेलों का विधिवत समापन होना है। हल्द्वानी स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में समापन समारोह होगा। पुष्कर सिंह धामी सरकार के लिए राष्ट्रीय खेलों को सफलतापूर्वक संपन्न कराना बड़ी बात मानी जा रही है। इसलिए प्रदेश सरकार इस पल को ऐतिहासिक बनाना चाहती है।

इंग्लैंड के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज से बाहर हुए जसप्रीत बुमराह

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारत को बड़ा झटका

नई दिल्ली, 4 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में अब बस कुछ ही दिने बचे हैं लेकिन उससे पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 6 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पूरी तरह से बाहर हो सकते हैं। मौजूदा समय में बुमराह अपनी पीठ की चोट से जूझ रहे हैं।जसप्रीत बुमराह का इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मुकाबलों में भी खेलना मुश्किल था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में चोटिल हुए थे, जिसके बाद माना जा रहा था कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे तक ठीक हो जाएंगे। लेकिन अब ये भी संभव नहीं है क्योंकि अब जो अपडेट आया है उसके मुताबिक जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ तीनों वनडे मैच नहीं खेलेंगे। जसप्रीत बुमराह का अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलना भी मुश्किल लग रहा है। सोमवार को बुमराह को लेकर एक रिपोर्ट आई थी जिसमें बताया गया कि बुमराह बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकादमी में हैं, जहां उनका फिटनेस टेस्ट होगा। वह फिलहाल मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। जसप्रीत बुमराह 2-3 दिनों तक एनसीए स्पेशलिस्ट्स की निगरानी में रहने वाले हैं। पूरी जांच के बाद ही रिपोर्ट अजीत अगरकर की लीडरशिप वाली चयन समिति को भेजी जाएगी।

सूर्यकुमार यादव से छिन जाएगी टी20 कप्तानी!

नई दिल्ली, 4 फरवरी। हाल ही में खत्म हुई भारत और इंग्लैंड टी20 सीरीज के बात अब एक हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है। दरअसल, कहा जा रहा है कि सूर्याकुमार यादव से टीम इंडिया की टी20 की कप्तानी छिन सकती है। पिछले साल सूर्या को भारत का टी20 कप्तान बनाया गया था। उनकी कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 4-1 से जीती लेकिन फिर भी सूर्या की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। भारत की टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव से लेकर हार्दिक पंड्या को सौंपी जा सकती है। इसका मुख्य कारण कप्तानी मिलने के बाद से सूर्या की खराब फॉर्म है। इसमें कोई शक नहीं है कि जब से सूर्या कप्तान बने हैं तब से उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ हार्दिक पंड्या बल्ले और गेंद दोनों से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

रोहित-विराट वनडे में दिखाएंगे कमाल! सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नई दिल्ली, 4 फरवरी। भारत और इंग्लैंड 6 फरवरी से एकदिवसीय मुकाबलों में भिड़ंत के लिए तैयार हैं। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी हो रही है। दोनों खिलाड़ियों का टेस्ट क्रिकेट में निराश करने वाला प्रदर्शन रहा है। लेकिन सफेद गेंद में इन दोनों के नाम कई रिकॉर्ड हैं, जैसे विराट कोहली के नाम पर सबसे तेज रन बनाने के रिकॉर्ड हैं तो रोहित शर्मा के पास इस फॉर्मेट में तीन-तीन दोहरे शतक का खिताब दर्ज है। अब इस सीरीज में इन दोनों के पास एक और अद्भुत कीर्तिमान बनाने का मौका है।विराट कोहली ने अब तक अपने क्रिकेट करियर में अब तक 195 वनडे मैचों की 283 पारियों में 13,906 रन बनाए हैं। यानी वे 14,000 रनों के आंकड़ों से केवल 94 रन दूर हैं। अगर विराट 94 रन और बना लेते हैं तो वे सबसे तेज 14,000 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल ओडीआई में सबसे तेज 14 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के नाम पर है। सचिन ने 350 एकदिवसीय पारियों में 14 हजार रन का आंकड़ा छुआ था। जबकि दूसरे नंबर पर श्रीलंका के महान विकेटकीपर बल्लेबाज कुमरा संगकारा हैं, जिन्होंने 378 पारियों में ये रिकॉर्ड छुआ था। इतना ही नहीं विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भी वे तीसरे नंबर पर हैं। विराट के नाम पर जहां 13,906 रन दर्ज हैं। वहीं सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी सचिन के नाम पर ही हैं। वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर 18.426 रनों के साथ टॉप पर हैं।

राजस्थान - रेलवे अंडर 23 ट्रॉफी मैच ड्रा, राजस्थान के युवराज सिंह का शतक

जयपुर, 4 फरवरी। के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 23 ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - रेलवे मैच के अंतिम दिन राजस्थान के युवराज सिंह ने शानदार शतकीय पारी खेली। राजस्थान के बल्लेबाजो व गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की सहायता से राजस्थान ने मैच में न केवल पहली पारी की बढ़त प्राप्त की साथ ही मैच ड्रा समाप्त होने से राजस्थान ने प्रतियोगिता के नॉक आउट दौर में प्रवेश किया। टीम के लिए चेतन शर्मा 86 , मोहित चांगरा 70, मुकुल चौधरी 54, आयुष अमेरिया 42, सचिन यादव 37, सुमित गोदारा 33, अशोक शर्मा 19, करण लाम्बा 13 रनो का योगदान दिया। रेलवे के गेंदबाज एस के बाशा 95/5 विकेट प्राप्त किये। रेलवे पहली पारी 301 आल आउट, टीम के लिए लखन मानकास 126 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज राहुल चौधरी 46/3, आयुष अमेरिया 21/3, अशोक शर्मा 77/1, चेतन शर्मा 46/1, मोहित चांगरा 71/1, सचिन यादव 32/1 विकेट प्राप्त किये। अंतिम दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में युवराज सिंह के नाबाद शतक व आयुष अमेरिया की नाबाद अर्धशतकीय पारियों की सहायता से 5 विकेट के नुकसान पर 354 रन बना लिए थे। टीम के लिए युवराज सिंह नाबाद 115, आयुष अमेरिया नाबाद 53, मुकुल चौधरी नाबाद 77, सुमित गोदारा 43, सचिन यादव 20, गाजी खान 15 व करण लाम्बा 13 रनो का योगदान दिया।

10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा में आठ निशानेबाजों ने फाइनल में बनाई जगह

देहरादून, 4 फरवरी। 38वें राष्ट्रीय खेल में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में देशभर से 45 प्रतिभागियों ने फाइनल में स्थान पाने के लिए कड़ी टक्कर दी। रोमांचक मुकाबले के बाद, मंगलवार को शीर्ष आठ निशानेबाजों ने अपनी जगह पक्की कर ली। हरियाणा की सुरूचि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 585 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि उनकी राज्य की साथी पलक ने 580 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। दिल्ली की नियमिका राणा ने 576 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र की अनुभवी निशानेबाज राही सरनोबत ने 575 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया।

38वें राष्ट्रीय खेलों में भ्रष्टाचार, ताइक्वांडो में 3 लाख में बेचा जा रहा था गोल्ड मेडल

देहरादून, 4 फरवरी। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित हो रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में एक बड़ा फिक्सिंग का मामला सामने आया है। ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मेडल बेचे जाने और मैच फिक्सिंग के आरोप लगे हैं। जिसके बाद इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन ने कड़ी कार्रवाई की है।

आईओए की गेम टेक्निकल कंडक्ट कमेटी ने इस मामले में ताइक्वांडो के डायरेक्टर ऑफ कंपटीशन प्रवीण कुमार को हटाने का फैसला लिया है।वहीं ये मामले खेलों के शुरू होने से ठीक पहले उजागर हुआ, जिसके चलते प्रवीण कुमार को उनके पद से हटाकर दिनेश कुमार को नया डायरेक्टर ऑफ कंपटीशन नियुक्त किया गया है।

इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन ने इसको लेकर प्रवीण कुमार की कड़ी निंदा की है। इस खुलासे के बाद इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन ने सख्त कार्रवाई करते हुए की सिफारिशों को स्वीकार किया और ताइक्वांडो के डायरेक्टर ऑफ कंपटीशन प्रवीण कुमरा को हटा दिया।

38वें राष्ट्रीय खेलों में ताइक्वांडो प्रतियोगिता हल्द्वानी में आयोजित हो रही है। लेकिन इसके शुरू होने से पहले ही मैच फिक्सिंग और मेडल की खरीद-फरोख्त के आरोप सामने आए। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की समिति ने इस मामले की जांच की और पाया कि कुछ अधिकारी पहले से ही मेडल के नतीजे तय करने में शामिल थे। गोल्ड के लिए 3 लाख रुपये, सिल्वर मेडल के लिए 2 लाख रुपये और ब्रॉन्ज मेडल के लिए 1 लाख रुपये की मांग की जा रही थी।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता

अरावली की जीत में प्रशान्त माली व हर्ष मीणा चमके

जयपुर, 4 फरवरी। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज अरावल क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज में खेले गये पुर्व क्वार्टर फाईनल मुकाबले में प्रशान्त माली 28 रन व 13 रन पर 2 विकेट के ऑल राउण्ड प्रदर्शन तथा हर्ष कुमार मीणा 34 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की मदद से अरावली क्रिकेट क्लब ने ब्रहम्पुरी क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हरा कर क्वार्टर फाईनल में प्रवेश किया।

टॉस जीत ब्रहम्पुरी क्लब ने पहले बल्लेवाजी का निर्णय लिया लेकिन दोनो ओपनर सचिन अधिकारी 0 व कप्तान सावन 0 के स्कोर पर आउट होने पर निशान्त शर्मा 29 रन आयूष जैन 20 रन विकास जागिड 15 हेमन्य भारद्वाज 14 रन को छोडकर कोई भी बल्लेवाज अरावली के गेदवाजो हर्ष कुमार मीणा 34 रन पर 3 विकेट प्रशान्त माली 13 रन पर 2 विकेट हंसराज रोलानिया 19 रन पर 2 विकेट तथा दानिश भाम्बु विशाल गोदारा तथा भूमिक पंवार प्रत्येक 1-1 विकेट की गेंदवाजी के समक्ष नही टिक सके। और पुरी टीम 32.3 ओवर में 123 रन पर ही सिमट गई।

जवाबी पारी में प्रशान्त माली 28 रन अव्यांश सिंह 23 रन कापिल कुमार 34 रन नाबाद विशाल गोदार 35 रन नाबाद ने मिलकर विजये लक्ष्य 14.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 125 रन बनाकर हासिल कर लिया और अपनी टीम को 8 विकेट से आसान जीत दिलवाकर क्वार्टर फाईनल में पहुचा दिया जहाँ उसका मुकाबला बुधवार 5 फरवरी को बनी पार्क क्लब से होगा। मैन ऑफ द मैच प्रशान्त माली अरावली क्रिकेट क्लब रहें।

गुकेश को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा ने कहा, यह लंबा और अजीब दिन

विज्क आन जी (नीदरलैंड), 4 फरवरी। ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानानंदा ने आठ घंटे के विश्व स्तरीय प्रदर्शन वाले इस तरह के 'अजीब दिन' की कल्पना नहीं की थी जिसके बाद उन्होंने मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर अपना पहला टाटा स्टील शतरंज खिताब जीत लिया। प्रज्ञानानंदा ने मुकाबले के बाद कहा, ''यह बहुत लंबा था, करीब आठ घंटे, पहली बाजी ही लगभग साढ़े छह घंटे तक चली और फिर ब्लिट्ज बाजी, यह एक अजीब दिन था।'' उन्होंने इस जीत के प्रभाव के बारे में कहा, ''शतरंज की दुनिया में यह एक बहुत ही खास प्रतियोगिता है और मैंने बड़े होते हुए इस टूर्नामेंट के मुकाबले देखे हैं।'' भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कहा, ''मुझे लगता है कि मेरे खेल में यह दिखा कि मैं सभी बाजियों में लड़ने की कोशिश को लेकर काफी महत्वाकांक्षी था इसलिए हमने कई नतीजे वाली बाजियां देखीं।'' प्रज्ञानानंदा ने छह बाजी जीती और पांच ड्रॉ खेली। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा। अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रज्ञानानंदा ने कहा कि वह प्राग मास्टर्स में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

करुणारत्ने 100वां टेस्ट मैच खेलने के बाद टेस्ट क्रिकेट से लेंगे संन्यास

गाले 04 फरवरी। श्रीलंकाई बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने इस सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाले में अपना 100वां मैच खेलने के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेंगे। करूणारत्ने का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। 36 वर्षीय करुणारत्ने ने पिछले 14 महीनों में रन बनाने के लिए संघर्ष करते देखे गये है। वर्ष 2024 की शुरुआत से उनका औसत 27.05 रहा है। श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों में 0-1 से पीछे है। वह 100वां टेस्ट खेलने के साथ ही सनथ जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, चमिंडा वास, महेला जयवर्धने, कुमार संगकारा और एंजेलो मैथ्यूज के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले सातवें श्रीलंकाई क्रिकेटर भी बन जाएंगे।

जयपुर पोलो सीजन 2025, द लीला महाराजा सवाई मानसिंह पोलो कप (08 गोल)

शमशीर अली के 4 और लांस वाटसन के 6 गोल से जयपुर जीती

जयपुर, 4 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025, लीला महाराजा सवाई मानसिंह पोलो कप (08 गोल) में आज दो मैच खेले गए। जिनमे एक मैच कैवेलरी ग्राउंड पर और एक मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर खेला गया।

कैवेलरी ग्राउंड पर दोपहर 1.30 बजे पहला मैच ऑल स्टार पोलो टीम बाई सुहाना बनाम अरावली के बीच खेला गया जिनमे सुहाना टीम ने अरावली को 8-7 से हराया। अरावली की ओर से देविन्दर, कुलदीप राठौड़ ने 1-1, सलीम आज़मी ने 2, मेन्युअल ने अपने खेल से दर्शकों की तालिया बटोरते हुए 3 गोल किये। सुहाना की ओर से मतिआस ने6 गोल कर टीम को जीताया। ध्रुवपाल गोदारा ने भी सुहाना के लिए 3 गोल, अंगद कलान ने 2 गोल किये।

दूसरा मैच जयपुर बनाम जिन्दल पैंथर के बीच रामबाग पोलो ग्राउंड पर खेला गया जिसमें जयपुर टीम ने जिन्दल पैंथर ने 11-7.5 से पराजित किया। जयपुर की ओर से महाराज पदमनाभ सिंह ने 1, शमशीर अली ने अपने पुराने अंदाज़ में खेलते हुए 4 गोल किये, वही लांस वाटसन ने 6 गोल कर अपने विदेशी खेल का प्रदर्शन कर पोलो ग्राउंड में बैठे दर्शकों को तालियां बजाने पर मज़बूर कर अपनी टीम की जीत निश्चित की। जिन्दल पैंथर डेढ़ गोल का एडवांटेज लिए हुए खेल रही थी। जिन्दल पैंथर की ओर से वेंक्टेश, सिद्धांत शर्मा और सिमरन शेरगिल ने भी 2-2 गोल किये पर टीम की टाल नही पाए।

सुहाना टीम में चीली से जयपुर आये छह हैंडीकैप के खिलाड़ी मतिआस ने 6 गोल किये, एकमात्र महिला खिलाडी शिवांगी भी खेली

जयपुर। चीली से जयपुर खेलने आए छह हैंडीकैप के खिलाड़ी मतिआस ने अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन दिखाते हुए सुहाना टीम के लिए 6 गोल कर अपने खेल की क्षमता दिखाई।

जानकारी के अनुसार मतिआस वैसे तो पोलो खिलाड़ी और पूर्व खेलमंत्री रहे अशोक चांदना के दोस्त है और उन्हीं के घोड़ो पर खेल रहे है। एकमात्र महिला खिलाड़ी डॉक्टर शिवांगी जयसिंह भी सुहाना टीम के साथ जुड़ी है। डॉक्टर शिवांगी जयसिंह आज कोई गोल नही कर पाई, लेकिन टीम के फॉरवर्ड को पास देने में कोई कसर नही छोड़ी और टीम में अपनी मौजूदगी दर्शाने में सफल रहीं।

लक्ष्य एकेडमी बनी चैंपियन

जयपुर, 4 फरवरी। जयपुर के मंगलम सिटी स्थित एस एच एस क्रिकेट एकेडमी एवं ग्राउंड पर एस एच एस क्रिकेट लीग के फाइनल मैच में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी एवं यति क्रिकेट अकादमी के बीच फाइनल मुकाबला हुआ लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 181 रनों पर ऑल आउट हुई जिसमें हेमंत सैनी ने 45 रन भव्य अस्वल ने 41 रन एवं प्रियांशु सैनी ने 28 रनों का योगदान दिया यदि अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए योगेश ने तीन विकेट प्रियांशु ने दो विकेट रामदेव ने दो विकेट हासिल किया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यति क्रिकेट अकादमी 91 रनों पर ऑल आउट हुई एवं लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने 90 रनों के विशाल अंतराल से जीत हासिल कर टूर्नामेंट में चैंपियन बनी।लक्ष्य अकादमी के गेंदबाजों में आर्यन सिंह ने पांच विकेट हेमंत सैनी ने तीन विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि एस एच एस क्रिकेट अकादमी के डायरेक्टर एवं राजस्थान क्रिकेटर मुकेश चौधरी, अभिषेक शर्मा, संदीप भार्गव , युवा मोर्चा , खोरा बिसल, अनुज त्यागी , डायरेक्टर लक्ष्य क्रिकेट अकादमी , लालचंद प्रजापति, गोविंद चौधरी उपस्थित रहे।

राज्य में टैक्सटाइल, डेटा सैन्टर व लॉजिस्टिक्स के लिये नई पॉलिसी बनी

मुख्यमंत्री भजनलाल की कैबिनेट ने प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिये अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये

- टैक्सटाइल एंड अपैरल पॉलिसी के द्वारा राजस्थान को वस्त्र व परिधान का ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाया जायेगा।
- विश्वस्तरीय डेटा सैन्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिये निजी क्षेत्र में डेटा सैन्टर्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजस्थान डेटा सैन्टर पॉलिसी को मंजूरी मिली।
- जीएसटी लागू होने के बाद राजस्थान कर बोर्ड का काम सीमित हो गया, अतः इसका राजस्थान राजस्व मंडल में विलय करने का निर्णय लिया।

जयपुर, 4 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास के लिए राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी लाने, युवाओं को सक्षम एवं सशक्त बनाकर विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि के लिए नई युवा नीति के अनुमोदन, विश्वविद्यालयों के वाइस-चांसलर्स को कुलगुरू की पदवी प्रदान करने के लिए राजस्थान यूनिवर्सिटीज़ लॉज (अमेण्डमेंट) बिल लाने, रीको औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को गति देने के उद्देश्य से राजस्थान लैण्ड रेवेन्यू (अमेण्डमेंट वैलिडेशन) बिल लाने सहित, कार्मिक कल्याण और सेवा नियमों में संशोधन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

मंत्रिमण्डल की बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल ने बताया कि राज्य सरकार वस्त्र व परिधान के क्षेत्र में प्रदेश को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करना चाहती है। इसे ध्यान में रखते हुए, आज राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 कैबिनेट में मंजूर की गई।

पटेल ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी- 2025 को कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। इस पॉलिसी का उद्देश्य राज्य में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित करना है एवं राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र में प्रमुख गंतव्य बनाना है।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने और कनेक्टिविटी में वृद्धि करते हुए लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने के उद्देश्य से, राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 का मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन किया गया।

पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल ने बताया कि मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित राजस्थान युवा नीति-2025 के जरिये, गुणवत्तायुक्त शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्यिमता और बुनियादी अधिकारों तक युवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। यह नीति युवा नीति- 2013 का स्थान लेगी।

पटेल ने बताया कि वर्ष 2017 से जीएसटी व्यवस्था लागू हो जाने बाद, राजस्थान कर बोर्ड का कार्य सीमित हो गया था। इसे देखते हुए, राजस्थान कर बोर्ड का राजस्थान राजस्व मण्डल में विलय करने का निर्णय किया गया है।

पटेल ने बताया कि वर्ष 2024-25 के बजट में प्रदेश के राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरू की पदवी प्रदान किये जाने की घोषणा की गई थी। इस बजट घोषणा की अनुपालना में कुलपति पदनाम को कुलगुरु और प्रतिकुलपति पदनाम को भी प्रति कुलगुरु के रूप में प्रतिस्थापित किए जाने का मंत्रिमण्डल द्वारा निर्णय लिया गया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि रीको को हस्तान्तरित औद्योगिक क्षेत्रों के भू-रूपान्तरण एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए दि राजस्थान लैण्ड रेवेन्यू (अमेण्डमेंट वैलिडेशन) बिल-2025 लाया जाएगा। इसके प्रारूप का मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया।

कन्हैया लाल ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कनिष्ठ रसायनज्ञ एवं जीव विज्ञानी के पदों पर भर्ती अब लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर होगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 1986 के अनुरूप ही, संस्कृत शिक्षा (महाविद्यालय शाखा) में भी समान पदों के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों की शैक्षिणक योग्यता में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग व दिव्यांगजन हेतु 5 प्रतिशत अंकों की छूट का प्रावधान किया गया है।

'अवैध विदेशी अप्रवासियों को निर्वासित क्यों नहीं किया अभी तक?'

- सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार को फटकारते हुए कहा, किस मुहूर्त का इंतज़ार कर रहे हैं।

नयी दिल्ली, 04 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने अवैध अप्रवासी घोषित किए गए विदेशी नागरिकों को तुरंत निर्वासित नहीं करने पर मंगलवार को असम सरकार को फटकार लगाई और उसे निर्देश दिया कि वह हिरासत में लिए गए 63 लोगों को उनके मूल देश में वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करे।न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने राजूबाला की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से कहा, आप उन्हें अनिश्चित काल तक हिरासत में नहीं रख सकते। एक बार जब वे विदेशी घोषित हो जाते हैं, तो उन्हें तुरंत निर्वासित कर दिया जाना चाहिए। आप उनकी नागरिकता की स्थिति जानते हैं। फिर आप उनका पता मिलने तक कैसे इंतजार कर सकते हैं? यह दूसरे देश को तय करना है कि उन्हें कहां जाना चाहिए। पीठ ने हिरासत में लिए गए उन लोगों को निर्वासित करने के मुद्दे पर असम सरकार से पूछा, क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं?

शीर्ष अदालत ने कहा कि पते के बिना भी राज्य उन्हें निर्वासित कर सकता है। उन लोगों को देश की राजधानी में निर्वासित किया जा सकता है। पीठ ने आगे कहा, मान लीजिए कि वह व्यक्ति पाकिस्तान से है और आप पाकिस्तान की राजधानी जानते हैं? तो आप उसे पाकिस्तान की राजधानी में भेज देते हैं।

भूटान नरेश ने महाकुम्भ में स्नान किया

- भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक मंगलवार को महाकुम्भ स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे। भूटान नरेश के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संगम में स्नान किया।

महाकुंभनगर, 04 फरवरी। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई।

भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संगम स्नान किया। महाकुम्भ का वैभव देखकर भूटान नरेश अभिभूत नज़र आये।

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को महाकुम्भ में संगम स्नान व तर्पण किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

पुरोहितों ने मुख्यमंत्री और भूटान नरेश का विधिविधान से पूजन संपन्न कराया।

मुख्यमंत्री और भूटान नरेश में गंगा मां को दुग्ध और माला अर्पित किया। दोनों महानुभावों ने मां गंगा की आरती उतारी। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से भूटान नरेश को छोटा चांदी का कलश सौंपा।

संगम में स्नान-ध्यान के उपरांत भूटान नरेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षयवट का दर्शन करने गये। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के दर्शन किए।

इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के नजदीक बने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचकर महाकुम्भ के दिव्य-भव्य और डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया।

महाकुम्भ नगर में भूटान नरेश की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ के महंत जगद्गुरू संतोष दास (सतुआ बाबा) सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

गोगामेडी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपियों को गिरफ्तार किया था। रोहित गोदारा, वीरेन्द्र चारण, महेन्द्र मेघवाल और गोल्डी बराड सहित अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं।

एनआईए ने जून, 2024 में आरोपियों के खिलाफ एनआईए कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था।

आखिर राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हूट किया गया। आम आदमी पार्टी की मुफ्त की रेवड़ियों के कारण गरीब तबका पिछले दस साल से उसके साथ है, लेकिन देखना यह है कि इनमें से कितने आप के साथ बने रहते हैं और कितने लोग कांग्रेस के पाले में चले जाते हैं। आठ फरवरी को घोषित चुनाव परिणाम ही जन मानस की असली स्थिति को उजागर कर पायेंगे, क्योंकि खास तौर से इस चुनाव के नतीजों के बारे में भविष्यवाणी करना थोड़ा मुश्किल ही है।

205 अवैध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने बताया कि अमेरिकी सैन्य विमान प्रवासियों को लेकर भारत के लिए रवाना हो गया है, जो कम से कम 24 घंटे के बाद पहुंचेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने पिछले महीने वाशिंगटन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक के दौरान "अनियमित प्रवास" पर चिंता व्यक्त की थी। इसी कड़ी में ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवासियों को उनके देशों में वापस भेजना शुरू कर दिया है और प्रवासियों को वापस भेजने के लिए सैन्य विमानों का उपयोग कर रहा है। साथ ही प्रवासियों को रखने के लिए सैन्य अड्डे खोल रहा है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 या 13 फरवरी को अमेरिका का दौरा करने और राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात करने के कार्यक्रम के बीच अवैध भारतीय प्रवासियों को भारत वापस भेजने की बात सामने आयी है।

जल जीवन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तय कर चुकी है कि ऐसे मामलों में यदि अदालत जमानत देती है तो उसे यह बताना होगा कि संबंधित आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता, जबकि इस मामले में आरोपी के खिलाफ ईडी कोर्ट प्रसंज्ञान ले चुका है। इसके अलावा, कोई भी आरोपी यह नहीं कह सकता कि उसके सह आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है तो उसे जमानत दी जाए। ऐसे में आरोपी की जमानत याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

ट्रम्प केवल बड़बोले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जा सके और एक संपूर्ण ट्रेड वॉर से बचा जा सके।

चीन पहले ही यह वादा कर चुका है कि वह फैंटानैल उत्पादन के लिए आवश्यक "प्रीकर्सर" सामग्री के उत्पादन और निर्यात को नियंत्रित करेगा। डॉनल्ड ट्रंप की मुख्य शिकायतों में से एक यह है कि चीन भारी मात्रा में फैंटनैल और इसके उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्रियां भेज रहा है।

वहीं, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग व्यापार पर डॉनल्ड ट्रंप के साथ सौदा करने को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं हैं। जिनपिंग भी अपने देश के दृढ़ विरोध की छवि पेश करने में रुचि रखते हैं। शी ने आयात प्रतिबंध और ट्रेड पर अन्य प्रतिबंध लागू किए हैं।

चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को टंग्स्टन की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील सामग्री है। इसका उपयोग कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों में होता है। इससे कई अमेरिकी उत्पादन प्रभावित हो सकते हैं। चीन के पास ऐसी महत्वपूर्ण सामग्रियों का एक मजबूत भंडार है, जो कहीं भी इतनी बड़ी मात्रा में नहीं पाई जाती हैं।

चीन ने अन्य कई अमेरिकी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका के कुछ फैशन हाउसों पर चीन के बहिष्कार आदेश लगाए गए हैं, जिससे चीन के लोगों के लिए उन उत्पादों को कहीं और से प्राप्त करना मुश्किल हो गया है।

वर्तमान में टैरिफ कार्यवाही पर यह रोक एक महीने तक जारी रह सकती है, इसके बाद अमेरिका ने वादा किया है कि वह समीक्षा करेगा और नए कड़े प्रतिबंध लगाएगा, लेकिन तब तक राहत है और वैश्विक बाजारों ने एक गहरी राहत की सांस ली है।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साबित होती है कि उसने बाथरूम में छिपी पीड़िता को बार-बार धमका कर बाहर बुलाने का प्रयास किया, ताकि वह पूरा अपराध कर सके। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राकेश महर्षि ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 12 अप्रैल, 2024 को शिप्रापथ थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा था कि वह और अभियुक्त एक घर में परिवार सहित किराए पर रहते हैं। उसकी 11 साल की बेटी 8 अप्रैल को घर में अकेली थी। इस पर अभियुक्त ने उसे रुपए देकर दुकान से सामान मंगाया। जब पीड़िता सामान लेकर उसके कमरे पर गई तो अभियुक्त ने अंदर से कमरा बंद कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान, पीड़िता टॉयलेट जाने का बहाना कर बाथरूम में चली गई। तब अभियुक्त उसे बाहर आने के लिए धमकाने लगा।

शारीरिक शिक्षक भर्ती-2022 धांधली को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमेटी द्वारा नियुक्त किए जा चुके पी.टी.आई. शिक्षकों को बर्खास्त करने के लिए "कारण बताओ नोटिस" दिए गए थे।

अदालत में सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने इन तमाम याचिकाओं के संदर्भ में जवाब दायर किया है, परंतु राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने कोई जवाब पेश नहीं किया है। नियुक्ति पा चुके इन 15-20 शिक्षकों की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ताा आर.एन.माथुर पैरवी के लिए पेश हुए थे। इन्होंने दलील दी कि जिन यूनिवर्सिटी से तथाकथित "फर्जी डिग्रियां" लेना बताया जा रहा है, उन सभी यूनिवर्सिटी से भी जवाब लिया जाए और उन्हें भी इस प्रकरण में पार्टी बनाया जाये। बहस के दौरान सामने आया कि आगरा में शिकोहाबाद स्थित जे.एस. यूनिवर्सिटी ने अदालत में जवाब दायर किया है, लेकिन इन 15-20 शिक्षकों की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता को इस जवाब की कॉपी नहीं दी गई है। इस भर्ती में नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों को अधिकांश डिग्रियां ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी और उदयपुर की भूपाल नोबल यूनिवर्सिटी, श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी मध्यप्रदेश से जारी हुई थीं तथा अन्य कई विश्वविद्यालयों से भी जवाब अदालत में पेश नहीं हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ़ ने इस प्रकरण में अलग-अलग तारीखों पर 134 पी.टी.आई. शिक्षकों को जांच के बाद पद से हटाने के आदेश दिए थे। हालांकि शिक्षा विभाग ने इन 134 शिक्षकों को पहले ही सस्पैंड कर दिया था। इनमें सबसे ज्यादा धौलपुर व बाड़मेर से सस्पैंड हुए है। इन जिलों से ग्यारह ग्यारह लोगों को निलम्बित किया गया और बांसवाड़ा से सबसे ज्यादा 19 पीटीआई ने निलम्बन के खिलाफ स्टे ले रखा है। इन मामलों पर अब सुनवाई 20 फरवरी को होनी है। हालांकि 33 ऐसे शिक्षक हैं, जिन्होंने अदालत से स्टे ले रखा है। एस.ओ.जी. इस भर्ती से जुड़े 243 शिक्षक व अभ्यर्थियों को संदिग्ध मानते हुए जांच कर रही है, अब तक 16 एफ.आई.आर. दर्ज की जा चुकी हैं। इस मामले में सुनवाई करते हुए न्यायाधीश समीर जैन ने अगली तारीख 6 फरवरी तय की है।

वातावरण में बढ़ता प्रदूषण व यमुना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया कि क्या हरियाणा सरकार उस पानी को विषैला बनाएगी, जिसे वे (मोदी) दिल्ली में पीते हैं।

डॉ. अरविन्द कुमार जो सुप्रसिद्ध पल्मोनोलॉजिस्ट तथा स्वास्थ्य विशेष हैं, कहते हैं, "बच्चे साँस लेने में परेशानी, अस्थमा तथा स्टंटेड लंग डवलपमैंट से पीड़ित हो रहे हैं। बड़ी उम्र के लोगों में हृदय रोग, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज (सीओपीडी) तथा अन्य गंभीर बीमारियाँ बढ़ रहीं हैं। लम्बे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।"

एक रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण के कारण, भारत में एक वर्ष में 10 लाख से ज्यादा लोग मर जाते हैं। दिल्ली, जो दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से एक है, कातर नज़रों से देख रहा है कि प्रदूषित वायु के कारण, उसके निवासियों की लम्बे जीवन की प्रत्याशा (एक्स्पैक्टैन्सी) कम होती जा रही है। यह इतनी गंभीर चेतावनी है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि वायु प्रदूषण का असर केवल स्वास्थ्य पर ही पड़ता है, इससे अर्थव्यवस्था और समाज भी प्रभावित होते हैं। खराब स्वास्थ्य लोगों की उत्पादकता को कम कर देता है तथा इससे कई स्तरों पर आर्थिक नुकसान होता है। अस्पताल में ईलाज का खर्च, अकाल मृत्यु, जीवन की कम होती गुणवत्ता आदि सरकार और समाज पर बहुत अधिक वित्तीय बोझ का कारण बनते हैं।

दिल्ली के मतदाताओं की पिछले चन्द दशकों की प्रवृत्ति बताती है कि मतदाता प्राय: त्वरित लाभ, जैसे मुफ्त बिजली, पानी और यातायात को प्राथमिकता देते हैं। दिल्ली की करीब 40 प्रतिशत जनता अनाधिकृत कॉलोनियों में रहती है। पहले यह तबका कांग्रेस का वोट-बैंक था तथा पिछले 15 साल से यह आप का गढ़ बन गया है। निम्न आय वर्ग के लोगों के लिये, रोज कमाना-रोज खाना तथा वित्तीय स्थिरता जैसी चीजें प्रदूषित वायु और जल जैसे मुद्दों पर हावी रहती हैं और इसका परिणाम यह होता है कि मुफ्त की रेवड़ियाँ, पर्यावरणीय संकटों के समाधान की अपेक्षा ज्यादा प्रभावी चुनावी रणनीति सिद्ध होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली की शासन व्यवस्था का ढांचा बड़ा जटिल है। सत्ता तीन जगह- दिल्ली सरकार, केन्द्र सरकार तथा नगर निगम में बँटी हुई है। यह टुकड़ों वाली व्यवस्था वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों से निपटने के समन्वित प्रयासों में बाधक रहती है।

दिल्ली के वायु प्रदूषण को जलवायु परिवर्तन से पृथक करके नहीं देखा जा सकता। वैश्विक तापमान में वृद्धि होने से दिल्ली जैसे शहरों में "अरबन हीट आइलैंड" इफैक्ट बढ़ा है और ग्रीष्म ऋतु का तातमान 50 डिग्री सैन्टीमीटर तक पहुँच गया है।

असामान्य वैदर पैटर्न, जैसे भारी वर्षा, तेज लू तथा जलवायु संबंधी अन्य परिवर्तन पर्यावरण की स्थिति को हर क्षण बदतर बना रहे हैं। इसके अलावा, जीवाश्म ईंधन, जैसे कोयला, पैट्रोल, डीज़ल आदि के जलने से केवल ग्रीनहाउस गैसे ही नहीं निकलती, हवा को प्रदूषित करने वाले नुकसानदायक कारक भी बढ़ते हैं। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के प्रभावी साधनों और उपायों के बिना, दिल्ली के वायु प्रदूषण की स्थिति आगामी वर्षों में और ज्यादा खराब ही होनी है।

एल एण्ड टी, बी.ई.एल. व सीमैंस के शेयर के दाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और सिएमेंस इंडिया जैसे स्टॉक्स को सरकारी आदेशों और स्थानीय उत्पादन को दिए गए प्रोत्साहनों से लाभान्वित होने की उम्मीद है।

निवेशक सीमेंट और स्टील जैसे स्टॉक्स में भी सकारात्मक परिवर्तन देख सकते हैं, जैसे अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील, इन्हें इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम बढ़ने से ज्यादा लाभ होने की उम्मीद है।

नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केन्द्रित करने वाली कंपनियों के लिए एक उपयुक्त वातावरण प्रदान करती है। अडानी ग्रीन एनर्जी, टाटा पावर और रिन्यू पावर जैसे स्टॉक्स को सौर, पवन और अन्य हरित प्रौद्योगिकियों के लिए अनुकूल नीति प्रोत्साहनों से गति मिलने की उम्मीद है।

टाटा पावर के सीईओ प्रवीर सिन्हा ने कहा, "भारत की हरित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन अपरिहार्य है, और बजट इस प्रक्रिया को तेज करता है, हमें विश्वास है कि हम अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करके इस यात्रा में अग्रणी होंगे।"

बजट का फोकस व्यवसायों के लिए पूंजी तक पहुंच को आसान बनाने डिजिटल वित्तीय बुनियादी ढांचे को सुधारने और एणएसएमई को ऋण प्रदान करने पर है इससे एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे स्टॉक्स को लाभ होने की उम्मीद है।

एचडीएफसी बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन ने कहा, "वित्तीय क्षेत्र को सरकार की डिजिटल और एमएसएमई ऋण पहलों से लाभ होगा," हम इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार हैं और हमारा लक्ष्य अपने ऋण पोर्टफोलियो को बढ़ाने का है।

कर नीतियों को सरल बनाने और बॉन्ड बाजारों के लिए प्रोत्साहन से वित्तीय बाजारों को और मजबूती मिलेगी और इसे प्रमुख वित्तीय संस्थाओं और फिनटेक खिलाड़ियों का प्रदर्शन और बेहतर होगा।

सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन देने के कारण आईटी और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां को मजबूत ग्रोथ मिल सकती है। इन्फोसिस, टीसीएस, और विप्रो जैसे स्टॉक्स ए.आई. प्रेरित समाधानों, स्वचालन और डेटा एनालिटिक्स की बढ़ती मांग से लाभान्वित होने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

इन्फोसिस के सीईओ सलील पारेख ने कहा, "डिजिटल परिवर्तन भारत की विकास गाथा का केन्द्र बिंदु है, हम अपने ग्राहकों की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में रणनीतिक रुप से निवेश कर रहे हैं।"

बजट में प्रौद्योगिकी में नवाचार और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने का भी उद्देश्य है, जोस्टार्टअप्स और तकनीकी सक्षम उद्यमों को लाभ पहुंचाएगा, और बाजार के अवसरों को विस्तृत करेगा।

निहित आय और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ उपभोक्ता मांग में वृद्धि की उम्मीद है, जिससे एफएणसीजी और खुदरा क्षेत्रों के स्टॉक्स को फायदा हो सकता है। हिन्दुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), आईटीसी, और डाबर जैसी कंपनियां बेहतर खपत पैटर्न के साथ स्थिर लाभ देख सकती हैं।

हिन्दुस्तान यूनी लीवर के सीईओ संजीव मेहता ने कहा, "हम बजट में घोषित उपायों के बाद ग्रामीण मांग में मजबूत वृद्धि की उम्मीद करते हैं," शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा।"

राजस्थान सरकार

अपील

प्रिय किसान साथियों,

हमारे देश की असली ताकत आप किसान हैं, जिनकी कड़ी मेहनत और समर्पण से ही हम अपनी खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित कर पा रहे हैं। आपकी लगन एवं मेहनत कृषि व्यवस्था का आधार है और इस आधार को और भी मजबूत करने के लिए हम निरन्तर काम कर रहे हैं।

भारत सरकार की एग्रीस्टैक परियोजना के तहत राजस्थान में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की जा रही है, जो न केवल आपको एक विशिष्ट पहचान दिलाएगी, बल्कि यह आपके जीवन को सरल बनाने के साथ और भी सुविधाएं लेकर आएगी।

इस व्यवस्था के तहत प्रत्येक किसान को 11 अंकों की आधार से जुड़ी फार्मर आईडी मिलेगी, जिससे आप विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इस कदम से आपको कृषि में बेहतर निवेश का अवसर तथा कृषि विशेषज्ञों से समय पर मार्गदर्शन मिल सकेगा। साथ ही फसल बीमा, आपदा प्रबंधन के तहत सहायता, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद, कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड आदि के लिए आपका ऑनलाइन पंजीकरण भी सहज और पारदर्शी तरीके से हो सकेगा।

इसके लिए 05 फरवरी, 2025 से ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर आयोजित किये जाने वाले शिविरों में आप अपनी कृषि भूमि को आधार से जुड़वाकर अपनी फार्मर आईडी बनवा सकते हैं।

मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि फार्मर रजिस्ट्री में अपना पंजीकरण करवाएं और डिजिटल भारत का हिस्सा बनें।

धन्यवाद।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

राजस्थान संवाद

कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग, राजस्थान सरकार

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908